तापमान
अधिकतम 37.6 डिग्री
न्यूनतम 27.5 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, बुधवार 26 जून 2024

10 राज्य निर्वाचन आयुक्त ने संभाला पदभार निकाय और...

12 पौनी पसारी के 144 चबूतरे भी दो साल से खाली, किसी...

रेत या सोना... दस दिनों में 7000 तक बढ़ गए दाम, बैन का हवाला, पर अवैध खनन रुका नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेत खदानों में 15 जून से रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है, जो 10 अक्टूबर तक जारी रहेगा। प्रतिबंध लगने के बाद भी कई खदानों में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा है, लेकिन बाजार में बारिश के नाम पर कारोबारियों ने रेत की कीमत जरूर बढ़ा दी है। खदानों में उत्खनन पर प्रतिबंध लगने के पहले बाजार में बारीक और मीडियम रेंज की रेत 17 से 24 रुपये फीट में मिल रही थी, वह अब 20 से 30 रुपये फीट तक पहुंच गई है। इस तरह प्रति एक हजार फीट हाईवा में बारीक रेत 30 हजार रुपए एवं मीडियम रेत 20 हजार रुपए में बिक रही है। इस तरह खदानों से अवैध रूप से उत्खनन कराने वाले माफिया से लेकर चिल्हर कारोबारी मनमाने रूप से रेत की कीमत बढ़ाकर जमकर कमाई कर रहे हैं। इधर दूसरी ओर खदानों में चल रहे रेत का अवैध कारोबार रोकने में विभाग और प्रशासन पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण अभी भी कई खदानों में माफिया चोरी छिपे रेत का उत्खनन करा रहे हैं।

रेत खदानों पर लगे प्रतिबंध से रेत की कीमत पर कितना असर पड़ा है, यह जानने के लिए मंगलवार को हरिभूमि की टीम ने शहर के कुछ रेत ट्रेडर्स के संचालकों से ग्राहक बनकर बाजार में चल रही रेत की कीमत जानी। पचपेड़ी नाका के कारोबारी विशाल जुमनानी ने बताया कि मीडियम रेंज की रेत प्रति फीट 20 रुपए है। इसी प्रकार बारीक रेत 30 रुपए फीट है। ट्रेडर्स संचालक ने बताया कि 15 जून से रेत की कीमत बढ़ी है। इससे पहले मीडियम 16 से 17 रुपये और बारीक 23-24 रुपये फीट थी। अमलीडीह स्थित ट्रेडर्स दुकान के कर्मचारी ने भी रेत की कीमत लगभग यही बताई।

15 जून से 10 अक्टूबर तक रेत खदानों में उत्खनन पर लगे प्रतिबंध के कारण रेत कारोबारियों ने बढ़ाई कीमत

हरिभूमि फॉलोअप

सपनों का घर बनाना हुआ महंगा

बारिश के सीजन में हर साल रेत कारोबारी रेत की कीमत बढ़ा देते हैं। इसके कारण इस सीजन में सपनों का घर बनाना भी काफी महंगा हो गया है। इसके कारण इस सीजन में रेत की डिमांड भी कम हो जाती है। हालांकि कई लोग बारिश के सीजन में ही मकान बनाते हैं, ताकि मकान बनने के साथ बारिश का पानी से मकानों की दीवारें भी मजबूत हों, उनमें दरारें न पड़े।

अवैध रेत भंडारण से करोड़ों रुपए कमाएंगे माफिया

रेत खदानों में जरूर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन ठेकेदार और माफिया अभी भी किसी-किसी खदान में चोरी छिपे रेत का उत्खनन करा रहे हैं। इसके अलावा नदी के किनारे एवं गांव की खाली कई जगहों पर रेत का अवैध रूप से भंडारण भी कराया गया है। बारिश के सीजन में अब जब रेत उत्खनन पर रोक लगी हुई है, तो इसका फायदा माफिया भंडारण की गई रेत बेचकर उठाएंगे। विदित हो कि हरिभूमि की टीम ने रायपुर जिले के आरंग क्षेत्र के राटाकाट, बेनीडीह में पड़ताल कर कई जगहों पर रेत के अवैध भंडारण होने की खबर प्रकाशित की है। इस खबर के बाद भी विभाग और प्रशासन जागा नहीं है। अवैध रूप से भंडारण किए गए रेत को न ही जब्ती बनाया गया है और न ही कोई कार्रवाई की गई है।

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन
cgiti.cgstate.gov.in
बी.एम. आई.टी.आई.
• कोपा • इलेक्ट्रिशियन
• हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
• डीजल मैकेनिक
• फायर टेक्नालॉजी
• स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि-03/07/24

खबर संक्षेप

मवेशियों की तस्करी मामले में दो गिरफ्तार

रायपुर। मवेशियों से भरे 407 वाहन को पुलिस ने मंदिर हसौद क्षेत्र में पकड़ा है। इस गाड़ी में आधा दर्जन मवेशी भरकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन में सवार वकील अहमद ग्राम शाहपुर शाहपुर जिला मुज्जफरनगर उत्तरप्रदेश और सुरेश राय ग्राम चकपहार ताजपुर जिला समस्तीपुर बिहार को गिरफ्तार किया है। दोनों वर्तमान में भैसथान सरोना रायपुर में रहते हैं। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ट्रक को स्टेडियम चौक के पास पकड़ा। इस ट्रक में 6 मवेशी थे, जिसे बिना किसी दस्तावेज के ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में छग कृषक पशु परीक्षण अधिनियम 2004 की धारा 6, 10 के तहत आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है।

RUNGTA EDUCATIONAL FOUNDATION | R1
EXPERIENCE EDUCATION BEYOND BOUNDARIES
Study
•BCA •MCA
•BBA •MBA
•B.Com
Our Major Recruiters
AXIS BANK
ICICI Bank
tcs
wipro
90161 13333

आर्ट्स में ही कटऑफ 80% के पार, बीकॉम में 86%, बीएससी में 85%, स्क्रूटनी करते हांफा साइंस कॉलेज, आज जारी करेगा सूची

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा मंगलवार को महाविद्यालयों को सूची सौंपे जाने के बाद डिग्री गर्ल्स कॉलेज तथा महंत कॉलेज में कुछ घंटे के अंतराल में ही मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई। डिग्री गर्ल्स कॉलेज में बीए का कटऑफ 74 फीसदी रहा है। बीकॉम में यह 86 प्रतिशत पहुंच गया है। बीएससी में यह 82 प्रतिशत रहा। महंत कॉलेज में बीकॉम में कटऑफ 71 प्रतिशत, बीबीए में 76 प्रतिशत तथा बीएससी में 65 प्रतिशत रहा है। महाविद्यालयों ने मेरिट लिस्ट वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ ही नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दिए हैं। छत्तीसगढ़ कॉलेज में कला संकाय का कटऑफ 82 प्रतिशत रहा है। ⏭ शेष पेज 11 पर

खास खबर

जानिए... कहां, कितना रहा कटऑफ (आंकड़े सामान्य वर्ग के हैं)

डिग्री गर्ल्स कॉलेज	
बीए	74%
बीकॉम विथ कं. साइंस	84.6%
बीकॉम प्लेन	85.5%
बीएससी	82%
बीएससी भूगोल	62.8%
महंत कॉलेज	
बीकॉम	71%
बीबीए	76%
बीसीए	77%
बीए	63%
बीएससी कं. साइंस	65%
बीएससी आईटी	62%
दुर्गा कॉलेज (सूत्रों से प्राप्त, सूची आज)	
बीकॉम	63%
बीए	50%
बीसीए	61.2%
बीबीए	64%
पीजीडीसीए	58%

रविवि ने मंगलवार को महाविद्यालयों को सौंपी सूची, डिग्री गर्ल्स कॉलेज और महंत कॉलेज ने जारी की मेरिट लिस्ट

तैयारियां पूरी

प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी हो गई है। विषयवार सूची तैयार कर ली गई है। बुधवार को सेकंड हाफ में इसकी घोषणा कर दी जाएगी। नोटिस बोर्ड के साथ ही महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी इसे अपलोड किया जाएगा।
- डॉ. अमिताभ बनर्जी, प्राचार्य, छग कॉलेज

स्क्रूटनी पूरी, इसलिए सूची जारी

हमने छात्रों के नाम मिलते ही स्क्रूटनी पूरी कर ली। इसके कारण मंगलवार दोपहर को ही मेरिट लिस्ट जारी कर दिया गया। छात्र आज से प्रवेश ले सकते हैं।
- डॉ.देवाशीष मुखर्जी, महंत कॉलेज

सीट से दोगुने आवेदन

बीकॉम, बीए सहित कई पाठ्यक्रमों में सीट से कई गुणा अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। हमने आवेदनों के आधार पर मेरिट लिस्ट बना ली है। 26 जून को सूची जारी होगी।
- डॉ. प्रोतिभा मुखर्जी, प्राचार्य, दुर्गा महाविद्यालय

पीजी में सीटें उपलब्ध

यूजी के लिए हमने स्क्रूटनी कर ली है। हमने एमएसडब्ल्यू में पीजी और योगा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत की है। इन दोनों में आवेदन सीट से कम है। छात्राएं इसमें दाखिला ले सकती हैं।
- डॉ. संगीता घई, प्राचार्य, डागा गर्ल्स कॉलेज

कचना ओवरब्रिज के निर्माण में अब आएगी तेजी 37 परिवारों को विस्थापित कर तोड़े गए मकान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कचना ओवरब्रिज के निर्माण में अब तेजी आएगी। नगर निगम ने मंगलवार को ब्रिज के निर्माण में आने वाली बाधा यानी कब्जा धारी 37 परिवारों को दूसरी जगह पर शिफ्ट कराने के बाद उनके बनाए अवैध मकानों को तोड़ दिया। मकानों के टूटने के बाद अब ब्रिज का निर्माण भी जल्दी हो पाएगा, जिससे इस क्षेत्र के आसपास रहने वाले हजारों परिवारों को भी कचना रेलवे क्रासिंग के पास लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिल पाएगी।

लगभग 39 करोड़ की लागत से बन रहा ओवरब्रिजः सूत्रों के अनुसार कचना ओवरब्रिज के लिए पीडब्ल्यूडी ने 39 करोड़ का टेंडर जारी किया था। हालांकि टेंडर 35 करोड़ में गया है। जिस कंपनी को यह टेंडर मिला है वह साढ़े दस प्रतिशत बिलो भरा था। पीडब्ल्यूडी ने ठेका एजेंसी को ब्रिज का निर्माण के लिए 18 माह का समय दिया है। बताया गया कि ठेका एजेंसी को 27 सितंबर 2023 को वर्क आर्डर जारी हुआ था, जिसे मार्च 2025 तक काम पूरा करना है। ⏭ शेष पेज 11 पर

सुबह-शाम लगता है एक किलोमीटर तक जाम

कचना रेलवे फाटक बंद होने से हर दिन खासकर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे और शाम 5 से 9 बजे के बीच फाटक के दोनों ओर लगभग एक किलोमीटर तक लंबा जाम लग जाता है। इस जाम में एंबुलेंस, स्कूल बसें, सरकारी गाड़ियों से लेकर सैकड़ों गाड़ियां कई मिनट तक जाम में फंसी रहती हैं। ब्रिज का निर्माण होने से इस जाम से भी मुक्ति मिलेगी।

871 मीटर लंबा बनेगा ओवरब्रिज

कचना में 871 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा ओवरब्रिज बनाया जा रहा है। ओवरब्रिज टू लेन रहेगा। रेलवे फाटक के आसपास खम्हारडीह, कचना, वीआईपी एस्टेट, अशोका टावर, ब्रम्हपुरी कालोनियां बनी हुई हैं, जिनमें करीब तीन लाख की आबादी रहती है। रेलवे सर्वे के अनुसार हर दिन यहां से करीब 1 लाख से ज्यादा गाड़ियां गुजरती हैं।

मकानों को हटाने के बाद ब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी आएगी

निगम ने अब तक 49 मकानों को तोड़ने की कार्रवाई की है। इनमें रहने वालों को दूसरी जगह पर विस्थापित करा दिया है, जो मकान और दुकानें बची हैं, उन्हें भी जल्द विस्थापित कराकर तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।
- अबिनाश मिश्रा, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

इंजनों में स्थापित किया जा रहा है कवच सिस्टम

रेलवे बोर्ड में अटका जोन का 'कवच'

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में झारसुगुड़ा, बिलासपुर व रायपुर समेत नागपुर सेक्शन में कवच सुरक्षा तकनीक को दायरे में लाने की तैयारी सालभर से चल रही है, लेकिन जोन को अभी तक रेलवे बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त नहीं हुआ है। लगातार रेल दुर्घटना होने के बाद भी रेलवे बोर्ड में कवच सुरक्षा को लेकर जोन के अनुमोदन को मंजूरी नहीं मिली है।

इधर जोन के अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड से प्रस्ताव स्वीकृति के बाद सेक्शनों में कवच सुरक्षा तकनीक स्थापित करने का कार्य शुरू किया जाएगा। कवच सिस्टम स्थापित होने के बाद ऑटोमेटिक तकनीक के जरिए दो गाड़ियों के बीच आमने-सामने से टक्कर नहीं होगी। स्वचालित ट्रेन ⏭ शेष पेज 11 पर

2023 तक पूरा करना था काम

नियमानुसार रेलवे को 2023 तक जोन की पटरियों में यह कवच सिस्टम लगा देना था, लेकिन टेंडर में विलंब होने से अभी तक काम पूरा नहीं हो पाया है। दपूमरे जोन के यात्रियों की किस्मत काफी अच्छी है, इसलिए दो साल में 8 बार यात्री ट्रेनों के पहिए पटरी से उतर गए, लेकिन कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। हर बार रेलवे ने तकनीकी कारण बताकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। पिछले साल शिवनाथ एक्सप्रेस की एक बोगी नागपुर जाने वाली लाइन पर पटरी से उतर गई थी। 10 महीने पहले इतवारी इंटरसिटी एक्सप्रेस के बफर अलग होने की घटना सामने आई थी।

डब्लूएपी इंजन पर किया गया सफल परीक्षण

परीक्षण के दौरान देखा गया कि रेड सिग्नल देखकर इंजन ने रेड सिग्नल से 30 मीटर दूर ही ब्रेक लगा दिए। इस दौरान सभी सेफ्टी पैरामीटर भी सही पाए गए। जिस इंजन पर परीक्षण किया गया, वह डब्लूएपी -5 इंजन पैसेंजर कोच को 130 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से खींचने में सक्षम है और यही इंजन शताब्दी एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों में लगता है। अब जोन जल्द ही पैसेंजर कोच के इंजन पर भी यह परीक्षण करने की तैयारी में है। दपूमरे की दूरी 2400 है। कवच सिस्टम ट्रैक के साथ इंजन में भी लगा होता है। कवच' प्रणाली में हाई फ्रीक्वेंसी के रेडियो कम्यूनिकेशन का इस्तेमाल किया जाता है। कवच टेक्नोलॉजी ट्रेनों की आपस में भिड़ंत को रोकने का काम करती है।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री साय का पहला साप्ताहिक जनदर्शन कल

रायपुर। प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। भाजपा के शासनकाल में पहले मुख्यमंत्री निवास में डॉ. रमन सिंह का हर गुरुवार को जनदर्शन होता था। अब प्रदेश के नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की आमजनों से मुलाकात का कार्यक्रम जनदर्शन 27 जून से प्रारंभ हो रहा है। यह कार्यक्रम हर गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में जनसरोकारों की बातें होंगी। श्री साय जनदर्शन में समस्याओं को सुनकर उसका यथोचित निराकरण भी करेंगे। साथ ही जनता के सुझाव, शासकीय योजनाओं की उन तक पहुंच की जानकारी आदि भी इस माध्यम से प्राप्त होगी। जनदर्शन में आमजन सीधे मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्या से अवगत करा सकेंगे।

नगर पंचायत माना का कांग्रेस ने किया घेराव

रायपुर। ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की माना नगर पंचायत में हो रहे तालाब खनन, वाहन खरीदी में भ्रष्टाचार, जल संकट व अन्य विषयों को लेकर नगर पंचायत परिसर का घेराव किया गया। रंजीत डे ने बताया, तालाब खनन और वाहन खरीदी के नाम पर शासकीय पैसे की बंदर बाट की जा रही है। नगर पंचायत एक एक बूंद पानी के लिए तरस रही है। अधिकारी लीपापोती करने में लगे हुए हैं।

आपातकाल के बहाने भाजपा अपने कार्यों को दबा रही

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, आपातकाल का विरोध करने वाली भाजपा की सरकार ने 10 साल से देश में अघोषित आपातकाल लगा रखा है और जब तक नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री रहेंगे, तब तक यह चलता रहेगा। उन्होंने कहा, आज संविधान का पालन नहीं किया जा रहा है एवं भाजपा के जनप्रतिनिधि खुले मंच पर संविधान बदलने की बात कहते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, लगातार देश की जनता एवं विपक्ष को ईडी, सीबीआई का सहारा लेकर डराने का काम कर रही है। किसान आन्दोलन में 700 से भी ज्यादा किसानों की मृत्यु हुई, उस पर बात नहीं की जा रही है। बढ़ती महंगाई बेरोजगारी से हर वर्ग हताश और परेशान है, जनता मूलभूत की सुविधाओं के लिए तरस रही है, समय पर ट्रेन नही मिल रहा है। आपातकाल का सहारा लेकर भारतीय जनता पार्टी सिर्फ अपने क्रियाकलापों को दबाने का प्रयास कर रही है।

मानसून सत्र में आएगा सरकार का साल का पहला अनुपूरक

रायपुर। 22 जुलाई से शुरु हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सरकार इस साल का पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी। इस संबंध में वित्त विभाग ने विभागों से प्रस्ताव मंगाने की तैयारी शुरु कर दी है। वित्त विभाग ने इस संबंध में सरकार के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विशेष सचिव(स्वतंत्र प्रभार) को 28 तारीख कर प्रस्ताव तैयार कर भेजने कहा है। वित्त विभाग से सचिव ने इस संबंध में जारी पत्र में कहा है कि 2024-25 के प्रथम अनुपूरक अनुमान विधानसभा के सत्र जुलाई में प्रस्तुत किए जाने हैं। प्रथम अनुपूरक अनुमान से संबंधित प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में 28 जून तक वित्त विभाग को भेजें। प्रस्ताव के विवरण के संबंध में कहा गया है कि आकस्मिकता निधि अग्रिम की प्रतिपूर्ति संबंधी प्रस्ताव, बजट सत्र के बाद केंद्र सरकार से प्राप्त राशि के परिप्रेक्ष्य में प्रथम अनुपूरक प्रस्ताव, औचित्य सहित अन्य आवश्यक महत्वपूर्ण प्रस्ताव दिए जाएं। इसके साथ ही वर्ष 2024-25 के मुख्य बजट अनुमान में शामिल वे योजनाएं जिनमें अतिरिक्त राशि की आवश्यकता हो।

शिक्षक एलबी को संविलियन के दिन से ही मिलेगा ओपीएस का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के शिक्षक (एलबी) के संविलियन के दिन से ही पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ मिलेगा। इस संबंध में सरकार के वित्त विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी संविलियन आदेश की सेवा शर्तों के अनुसार शिक्षक (एलबी) संवर्ग को देय समस्त लाभ के लिए सेवा की गणना संविलियन दिनांक 1 जुलाई 2018 से की जाएगी। वित्त विभाग द्वारा संचालक पेंशन एवं भविष्य निधि को भेजे गए आदेश में कहा गया है कि वित्त विभाग की अधिसूचना 20 जनवरी 2023 के द्वारा राज्य शासन की पेंशन योग्य स्थापना में नियुक्ति सभी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल की गई है। इसकी एक कंडिका में कहा गया है कि सेवानिवृत्त शासकीय सेवक को लागू पेंशन नियम छग सिविल सेवा पेंशन नियम (कार्यभारित तथा आकस्मिकता से वेतन पाने वाले कर्मचारी) पेंशन नियम, 1979 के प्रावधानों के अंतर्गत पेंशन की पात्रता होने पर पेंशन भुगतान का आदेश जारी किया जाएगा।

एनपीएस में जमा सारी राशि होगी वापस

सेवा की गणना संविलियन के दिन से

आदेश में कहा गया है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 30 जून 2018 को जारी आदेश के तहत शिक्षक (एलबी) संवर्ग को 1 जुलाई 2018 से शासकीय सेवा में पेंशन योग्य स्थापना में नियुक्त किया गया है तथा समस्त लाभों की गणना संविलियन दिनांक से किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसीलिए उनके पेंशन निर्धारण के लिए सेवा की गणना 1 जुलाई 2018 से या उसके बाद संविलियन दिनांक से ही की जाएगी।

एनपीएस की जमा राशि वापस होगी

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि वित्त विभाग की अधिसूचना दिनांक 20 जनवरी 2023 के अनुसार शिक्षक (एलबी) संवर्ग के शासकीय सेवक की सेवानिवृत्ति, मृत्यु के प्रकरण में उकने एनपीएस योजना के अंतर्गत 1 जुलाई 2018 के बाद जमा शासकीय अंशदान एवं उस पर अर्जित लाभांश की राशि शासकीय खाते में जमा किए जाने के बाद ही उनके पेंशन प्राधिकार पत्र जारी किए जाएंगे। 1 जुलाई 2018 के पहले की एनपीएस योजना की जमा समस्त राशि अभिदाता को वापस किया जाएगा।

आपातकाल में हमने कांग्रेस से लड़कर दूसरी आजादी पाई

साय बोले- संविधान बचाने की दुहाई देने वालों ने ही की थी संविधान की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, कांग्रेसी आज घूम-घूम कर संविधान बचाने की दुहाई दे रहे हैं, संविधान खत्म हो जाएगा कहकर दुष्प्रचार फैला रहे हैं। ये वही कांग्रेस है, जिसने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के तानाशाही नेतृत्व में देश में आपातकाल लगाया था, लोकतंत्र की हत्या की थी। भारतीयों की आवाज को दबाने का काम किया था। तथ्य यह है कि फिरंगियों-अंग्रेजों से गांधी-सुभाष के नेतृत्व में लड़कर हमें जो आजादी मिली थी, वह 1975 में हमने खो दी थी। भारत में आज जो आजादी है, वह जेपी-लोहिया-अटल-आडवाणी जैसे महापुरुषों की देन है। यह कांग्रेस से लड़कर पाई गई आजादी है, कांग्रेस के शिकंजे से संविधान को मुक्त कराकर लाई गई आजादी है।

श्री साय ने कहा, भारत में एक सदीभर लंबे संघर्षों और हजारों हुतात्माओं के बलिदान के बाद हमने आजादी पाई थी। आजादी उपरांत स्व. भीमराव आंबेडकर ने हमें मौलिक अधिकारों के साथ संविधान का उपहार दिया। बड़े ही त्याग और बलिदान से प्राप्त इस लोकतंत्र को कांग्रेस नेत्री तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आधी रात को खत्म कर देश को फिर से तानाशाही और गुलामी के उसी काल में धकेल दिया था, जहां से निकलकर 1947 में भारत वापस आया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे अलोकतांत्रिक काल था, जिसे लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भारतीय इतिहास की सर्वाधिक काली अवधि कहा है। सीएम साय ने कहा, कांग्रेस ने अपनी आजादी की विरासत को तब ही खत्म कर दिया था, जब लोकतंत्र की हत्या कर देश में आपातकाल लगाया था। भारतीय संविधान और लोकतंत्र आज के भाजपा (तब का भारतीय जनसंघ) के इतिहास पुरुष अटल-आडवाणी-नानाजी जैसे राष्ट्रवादियों का हासिल किया लोकतंत्र है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण का कमाया लोकतंत्र है, जिसका आज हम आनंद ले रहे हैं।

कांग्रेस ने हमेशा संविधान का मजाक बनाया : साव

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तानाशाही और सत्तालोलुपता का प्रदर्शन करते हुए 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोपकर न केवल लोकतंत्र की हत्या की, अपितु भारतीय संविधान का खुलेआम मखौल भी उड़ाया था। श्री साव ने कहा, भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय लोकतंत्र के उसी काले अध्याय से रूबरू कराते हुए आपातकाल का काला दिवस मनाकर संविधान और लोकतंत्र के नाम पर देश में पाखंडपूर्ण राजनीति कर रही कांग्रेस के इस इस कलंकित राजनीतिक चरित्र से परिचित कराने का बीड़ा उठाया है। श्री साव ने कहा, कांग्रेस हमेशा से सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने का काम करती रही है और आज भी कांग्रेस अपने इसी राजनीतिक चरित्र के साथ राजनीति कर रही है। कांग्रेस को न तो देश के संविधान पर भरोसा है और न ही देश की संवैधानिक संस्थाओं पर। कांग्रेस ने हमेशा संविधान का मजाक बनाने का काम किया है।

मीसा बंदियों का सम्मान

भाजपा रायपुर शहर जिला द्वारा एकात्म परिसर में आपातकाल एक काला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री रामविचार नेताम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू ने की। कार्यक्रम में मीसा बंदियों का सम्मान शॉल, पुष्पमाला और श्रीफल भेंट कर किया गया। रामविचार नेताम ने कहा, आपातकाल को याद करते ही तात्कालिक कांग्रेस सरकार के विरोधियों की रूह तक कांप जाती है। कब किसको कहां से उठा के जेलों में भर दिया जाएगा देश भर में लाखों लोगों को जेलों में भर दिया गया। देश एक अघोषित खुली जेल बना दी गई थी। आपातकाल लोकतंत्र पर एक स्याह धब्बा है। चुन्नीलाल साहू ने कहा, आपातकाल सदैव लोकतंत्र के इतिहास में काला दाग रहेगा। मीसाबंदी रहे मोहन चोपड़ा ने अपना स्मरण साझा करते हुए कहा, मेरी आयु मात्र 23 वर्ष थी, जब आपातकाल में मुझे 21 माह जेल काटना पड़ा। कार्यक्रम का संचालन सत्यम दुवा द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री रमेश सिंह ठाकुर द्वारा किया गया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने संभाला पदभार, निकाय और पंचायत चुनाव तैयारी में आएगी तेजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने कार्यभार संभाल लिया है। पूर्व आईएएस अजय सिंह फरवरी 2020 में शासकीय सेवा से रिटायरमेंट हुए थे। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति से पहले वो राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनकी नियुक्ति और पदभार लेने के बाद राज्य में नगरीय निकाय और अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव की तैयारियों में तेजी आएगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य निर्वाचन आयुक्त रहे ठाकुर राम सिंह के कार्यकाल में सरकार ने वृद्धि की थी। नवंबर में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के दौरान ही उनका कार्यकाल खत्म हो गया। तब से यह पद रिक्त था। आयुक्त ने कार्यभार संभालने के साथ ही आने वाले समय में होने वाले नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए तैयारियां करने पर बल दिया। उन्होंने सचिव और अन्य कर्मचारियों से इस संबंध में जानकारी ली।

इस मौके पर सचिव डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से आयुक्त सिंह का परिचय कराते हुए इन अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों की भी जानकारी दी। इस मौके पर सचिव डॉ. भुरे, उप सचिव डॉ. नेहा कपूर, अवर सचिव डॉ. अनुप्रिया मिश्रा, अवर सचिव प्रणय कुमार वर्मा सहित आयोग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

परिसीमन के बाद तैयार होगी मतदाता सूची

नवंबर-दिसंबर में नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं। उसके बाद पंचायत चुनाव जनवरी-फरवरी 2025 में कराने की प्रक्रिया भी शुरू होगी। पहले चरण में 18 जुलाई तक सभी निकायों का परिसीमन कराने का परिपत्र विभाग ने जारी किया है। परिसीमन के बाद राज्य निर्वाचन आयोग को निकाय चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम जारी करना होगा।

रायपुर की चारों विधानसभाओं का एक साथ मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनने और नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने को लेकर भाजपा ने पूरे देश में मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम करने का फैसला किया है। प्रदेश संगठन ने भी प्रदेश की सभी 90 विधानसभाओं के लिए कार्यक्रम तय कए हैं। वैसे तो हर विधानसभा में अलग-अलग कार्यक्रम होने हैं, लेकिन राजधानी रायपुर की चारों विधानसभाओं को मिलाकर यहां पर बड़ा कार्यक्रम करने की तैयारी है। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश के कुछ मंत्री और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सहित प्रदेश संगठन के कई पदाधिकारी भी रहेंगे। कार्यक्रम की तिथि को लेकर मंथन किया जा रहा है। कार्यक्रम में सांसदों को भी रहना है, इसलिए संभावना यही है कि ज्यादातर कार्यक्रम लोकसभा का सत्र 3 जुलाई को समाप्त होने के बाद होंगे। प्रदेश की विधानसभाओं में होने वाले कार्यक्रमों के लिए छत्तीसगढ़ में बनाई गई समिति के संयोजक भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव बनाए गए हैं। उन्होंने बताया 27 जून से 14 जुलाई तक हर विधानसभा में मतदाताओं का अभिनंदन कार्यक्रम रखा जाएगा। प्रत्येक विधानसभा में 2000 से ज्यादा मतदाताओं के सम्मेलन संचालित कर उन्हें तिलक लगाकर, पटका पहनाकर, शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा। श्री श्रीवास्तव में बताया, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है। इसमें विकसित भारत, भाजपा का संकल्प पत्र, मोदी की गारंटी, इन विषयों पर भी चर्चा होगी। इन कार्यों के लिए बनाई गई समिति में अशोक बजाज, भरत सिसोदिया एवं उपकार चंद्राकर सदस्य बनाए गए हैं।

- कल से 14 जुलाई तक हर विधानसभा में होना है कार्यक्रम

रायपुर में होगा बड़ा कार्यक्रम

राजधानी रायपुर में बड़ा कार्यक्रम करने की तैयारी की जा रही है। यहां पर रायपुर की चारों विधानसभाओं को मिलाकर एक बड़ा कार्यक्रम होगा। इसमें भारी संख्या में भीड़ जुटाने के साथ चारों विधानसभाओं के मतदाताओं का एक साथ सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित कई मंत्री और प्रदेश के नेता रहेंगे।

केंद्र में पिछले 10 साल से अघोषित आपातकाल

भूपेश ने कहा- भाजपा सरकार की स्थिति आपातकाल से बदतर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार में पिछले 10 साल से अघोषित आपातकाल है। ईडी की कार्रवाई 95 प्रतिशत विपक्षी दलों के यहां हुई है। मीडिया के लोगों के यहां भी कार्रवाई की गई है। किसानों के खिलाफ तीन काले कानून लाये, बहुत सारे किसान शहीद हो गये। कांग्रेस का बैंक खाता सीज किया गया है। चुनाव आयोग में जो शिकायतें की गईं कोई कार्रवाई नहीं हुई। 1 जुलाई से जो कानून लागू होने वाला है, वह घातक है, इस कानून की चर्चा लोकसभा में नहीं हुई है। एक दिन में 78 सांसद निलंबित हुये, दुनिया में जहां लोकतंत्र है, कभी इतने सांसद निलंबित नहीं हुये।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री प्रेस से बात कर रहे थे कि विपक्ष से सकारात्मक भूमिका की अपेक्षा कर रहे थे, लेकिन जो मान्य परंपरा है, उसका पालन प्रधानमंत्री नहीं कर रहे हैं। एक तो भाजपा की सरकार नहीं है, ये एनडीए गठबंधन की सरकार है। सबको लेकर साथ में चलना था, लेकिन ये तानाशाही रवैया अपनाये हुये हैं और अपेक्षा विपक्ष से कर रहे हैं कि सकारात्मक भूमिका होनी चाहिये। खुद प्रधानमंत्री की भूमिका क्या है? विपक्ष को उपाध्यक्ष देने की परंपरा रही है, उसे तोड़ने का काम लोकसभा में प्रधानमंत्री ने खुद किया था। पहली बार होगा जब विपक्ष द्वारा अध्यक्ष के लिए कैंडिडेट खड़ा किया जा रहा है और इसके लिये कोई जिम्मेदार है तो सत्ता में बैठे नरेन्द्र दामोदर दास मोदी हैं।

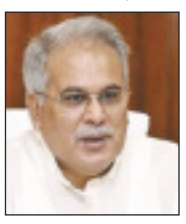

भाजपा नेता खुलकर नहीं बोल पा रहे

उन्होंने कहा, नीट के एग्जाम में न तो चेयरमैन को हटा रहे, न ही मंत्री को, लोकतंत्र है कहां? विपक्ष को लोकसभा उपाध्यक्ष का पद देना चाहिए था। भाजपा वाले काला दिवस मना रहे हैं। भाजपा के नेता कुछ भी खुलकर बोल नहीं पा रहे हैं। भाजपा के नेताओं की स्थिति खराब है। अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर और बृजमोहन अग्रवाल की स्थिति क्या है? सबको पता है। भाजपा सरकार की स्थिति आपातकाल से बदतर स्थिति है।

हाईकोर्ट के जज की देखरेख में हो जांच

बलौदाबाजार घटना पर हमारी मांग है कि हाईकोर्ट के जज की देखरेख में इसकी जांच हो। दूसरी बात यह है कि जो एक सदस्यी हाईकोर्ट के मोहित कुमार जज कमेटी बनाई है, उसमें कम से कम दो सदस्य समाज के रिटायर्ड जज को रखा जाना चाहिए, ताकि समाज को विश्वास हो कि कार्रवाई सही है।

कई लोगों को फायदा पहुंचाने बदली शराब नीति

श्री बघेल ने कहा, हमारी सरकार ने शराब नीति में बदलाव नहीं किया था, जो पूर्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, उसके अनुसार ही चलता रहा। आखिरी में ये हुआ कि एफएल-10 में कुछ लोगों के जो रैकेट बना लिए थे और जो उपभोक्ता उसके पसंद के ब्राण्ड नहीं मिलते थे, यही शिकायतें आ रही थी, क्योंकि यहां के दो, तीन, चार, पांच लोगों की मोनोपली हो गई थी। उसको तोड़ने के लिए और प्रतिस्पर्धा होगी, तो राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी, इस बात को करके वो फैसला लिया गया था। उन्होंने कहा, टेंडर तो इनकी सरकार में हुआ और उसको निरस्त कर दिया गया है।

दस साल पहले शुरू करने के थे निर्देश

जुलाई से ई-बिल और ई-लेखा व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अगले महीने जुलाई से राज्य के सभी कोषालयों में ऑनलाइन माध्यम से ई-बिल लिए जाएंगे। इस संबंध में राज्य सरकार के वित्त विभाग ने प्रदेश के सभी विभागों, अध्यक्ष राजस्व मंडल, सभी विभागाध्यक्ष, सभी संभागीय आयुक्त, सभी कलेक्टरों को आदेश जारी किया गया है। खास बात ये है कि यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश अब से 10 साल पहले दिए गए थे, लेकिन कई कारणों से इसे लागू नहीं किया जा सका था।

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि जुलाई 2024 से सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों(सेल्फ डीडीओ को छोड़कर) राज्य के सभी कोषालयों में देयकों (बिल) का प्रस्तुतीकरण सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से किया जाए। कोषालयों द्वारा महालेखाकार को भेजे जाने वाले मासिक लेखे को ई-लेखे के रूप में भेजा जाए। इस प्रक्रिया के सुचारू रूप से संचालन के लिए यह जरूरी है कि सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के पास नेटवर्क की सही स्पीड, देयकों के साथ अपलोड किए जाने वाले दस्तावेज की स्कैनिंग करने की समुचित क्षमता वाला स्कैनर व अन्य आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक सामाग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही वैध डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट भी आवश्यक होगा।

दस साल पहले लागू करने के थे निर्देश

बताया गया है कि छत्तीसगढ़ के सभी कोषालयों में ई बिल ऑनलाईन माध्यम से लेने के लिए वर्ष 2014 से प्रारम्भ किये जाने के निर्देश राज्य शासन द्वारा जारी किये गए थे, लेकिन कुछ कारणों से यह प्रक्रिया सभी प्रकार के देयकों पर लागू नहीं हो पाई। वर्ष 2022 में ऑनलाईन वेतन देयकों को डीएससी के साथ प्रस्तुत करने पायलट के रूप में इन्द्रावती कोषालय को चिन्हित किया गया तथा इस प्रक्रिया को क्रमशः आगे बढ़ाते हुए 01 अप्रैल 2024 से सभी प्रकार के देयकों को राज्य के सभी कोषालयों में ऑनलाईन डिजिटल हस्ताक्षर युक्त भेजे जाने की व्यवस्था लागू की गयी। कुछ अपवादों को छोड़कर सभी कोषालयों में ऑफलाईन तथा ऑनलाईन दोनों माध्यमों से देयकों का प्रस्तुतीकरण किया जा रहा है। अब राज्य के सभी कोषालयों में पेपरलेस माध्यम से देयकों का प्रस्तुतीकरण तथा महालेखाकार कार्यालय को पेपरलेस मासिक लेखे भेजे जाने की प्रक्रिया 01 जुलाई से प्रारंभ की जाएगी।

शिक्षा पात्रता परीक्षा में गड़बड़ी, भूपेश ने साय को पुनः परीक्षा कराने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा महर्षि वेदव्यास शासकीय महाविद्यालय भखारा जिला धमतरी में हुई गड़बड़ी की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई एवं परीक्षार्थियों को पुनः परीक्षा का अवसर देने की मांग की है।

अपने निवास में संवाददाताओं से चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा, शिक्षक पात्रता परीक्षा 2024 के परीक्षा केंद्र महर्षि वेदव्यास शासकीय महाविद्यालय. भखारा के परीक्षार्थियों को 1.30 घंटा विलंब से ओएमआर शीट दी गई और उन्हें अतिरिक्त समय भी नहीं दिया गया। इसके कारण परीक्षार्थियों को ओएमआर शीट पूर्ण हल करने का समय नहीं मिला। उन्होंने कहा, परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों की संख्या के अनुसार ओएमआर शीट क्यों उपलब्ध नहीं कराई गई थी? इसकी जांच की जाए? दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये एवं परीक्षार्थियों को पुनः परीक्षा देने का अवसर दिया जाए।

- भखारा में ओएमआर शीट देर से देने पर नहीं दिया अतिरिक्त समय

400 परीक्षार्थी पर 160 ओएमआर शीट

उन्होंने बताया कि जबकि परीक्षा केंद्र प्रभारी द्वारा नियंत्रक छग व्यावसायिक परीक्षा, मण्डल, नया रायपुर को दूरभाष एवं पत्र द्वारा सूचित किया गया है, जिसमें उल्लेखित है कि परीक्षा केंद्र में 400 परीक्षार्थी आवंटित होने के विरुद्ध 420 प्रश्नपत्र एवं मात्र 160 ओएमआर शीट प्राप्त होने की जानकारी है। परीक्षा केंद्र के प्रभारी द्वारा नियंत्रक को वस्तुस्थिति की जानकारी देकर मार्गदर्शन मांगा गया, परंतु परीक्षा नियंत्रक द्वारा अतिरिक्त समय नहीं देने का निर्देश दिया गया है।

तत्काल कार्यवाही कर निर्णय लें

उन्होंने बताया कि मामले में कार्रवाई के लिये मुख्यमंत्री को पत्र लिखा हूं। सरकार तत्काल कार्यवाही करे और निर्णय भी ले। 400 परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो। इनको पुनः परीक्षा का मौका मिलना चाहिए है।

खबर संक्षेप

विधायक खुशवंत ने सुनीं आम लोगों की समस्याएं

आरंग। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने मंगलवार को आरंग विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत चंदखुरी और नगर पालिका मंदिर हसौद में जनदर्शन लगाकर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनी एवं कई समस्यायों का त्वरित निराकरण भी किया। इस अवसर क्षेत्रीय अधिकारी, कर्मचारी, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं चंदखुरी और मंदिर हसौद सहित क्षेत्र के आमजन उपस्थित थे।

नपा का सामान्य सम्मेलन आहूत कराने सौंपा ज्ञापन

आरंग। नगर पालिका परिषद आरंग में परिषद की सामान्य सम्मेलन अविलंब आहूत कराने के लिए पार्षद सूरज लोधी ने नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रशेखर चंद्राकर को ज्ञापन सौंपा। पार्षद ने बताया कि दिनांक 03 अक्टुबर 2023 के बाद से परिषद की बैठक नहीं हुई है, जिसके कारण नागरिकों के नामांतरण, पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि, जाति प्रमाण पत्र तथा मुलभूत आवश्यक कार्य प्रभावित होने से नागरिकों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होने जनहीत में अविलंब परिषद का बैठक आयोजित करने का आग्रह किया। ज्ञात हो कि बैठक बुलाने के संबंध में नेता प्रतिपक्ष राजेश साहू द्वारा भी 3 माह पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था।

यीशा वर्मा को मिली पीएचडी की उपाधि

तिल्दा नेवरा। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सांख्यिकी अध्ययनशाला की छात्रा कुमारी यीशा वर्मा, पिता जगदीश प्रसाद वर्मा ग्राम किरना निवासी को सम कॉन्ट्रीब्यूशन ऑन दी एस्टीमेशन ऑफ पापुलेशन पैरामीटर यूजिंग मल्टी आगज़िलियरी इन्फॉर्मेशन विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गयी। यीशा ने अपना शोध कार्य प्रोफेसर व्यास दुबे के सुपरविजन में किया। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों सहित ग्राम वासियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।

निधन

याजुल प्रसाद दीपक

आरंग। ग्राम रीवा निवासी 75 वर्षीय याजुल प्रसाद दीपक का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार उनके शरीर का देहदान मेकाहारा हास्पिटल में किया गया। वे ग्राम रीवा के पूर्व सरपंच एवं साहू समाज के पूर्व अध्यक्ष लोचन दीपक के पति व शिक्षक राजकुमार दीपक, भुवनेश्वरी कौशल, कुमार दीपक, युगल किशोर दीपक के पिता थे।

पहल : धरसींवा विधायक अनुज से मिले भाजपाई और ग्रामीण

राजधानी की सबसे बड़ी ग्राम पं. मांढर को नगर पंचायत बनाने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

रायपुर जिले के सबसे बड़ी और उद्योग नगर से घिरी ग्राम पंचायत मांढर आज भी जनसख्या के हिसाब से बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। पिछले पांच साल तक ग्रामीण नगर पंचायत बनाने की मांग उठाते रहे, पर कामयाबी नहीं मिली। भाजपा सरकार बनने से ग्रामीणों में एक बार फिर उम्मीद जागी है। विधान सभा भाजपा मंडल के अध्यक्ष भरत सोनी और कार्यकर्ताओं ने धरसींवा विधायक अनुज शर्मा से मिल कर एक बार फिर से मांढर को नगर पंचायत बनाने की मांग रखी है। लोगों का कहना है कि नगर पंचायत बन जाने से सुविधाएं बढ़ेंगी।

- रेलवे स्टेशन से लेकर अस्पताल और शिक्षा की है पूरी व्यवस्था

ब्लाक मुख्यालय धरसींवा से 6 किलोमीटर दूरी पर ग्राम पंचायत मांढर बसा है। वर्तमान में गांव की आबादी लगभग 15 हजार के आसपास हो गई है। हालांकि ग्राम पंचायत के हिसाब से गांव में शिक्षा की व्यवस्था हाईस्कूल से लेकर महाविद्यालय तक की है। अस्पताल भी है। मांढर के जनप्रतिनिधि, व्यापारी, ग्रामीण और सभी समाज के लोग ग्राम पंचायत मांढर को नगर पंचायत बनाने की मांग कर रहे हैं। रायपुर जिले की इस ग्राम पंचायत में 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 6000 के आसपास है। बताया जा रहा है कि जनसंख्या अब बढ़कर लगभग 16000 हो चुकी है। जिससे मांढर को नगर पंचायत बनाने का दावा और मजबूत हो गया है।

हजारों लोगों का रोज होता है आना- जाना

बता दें कि आसपास के 7 से 8 गांव के हजारों लोग रोज आकर यहां से सामान ले जाने सहित अन्य जरुरतों को पूरा करते हैं। मांढर में रेलवे स्टेशन होने की वजह से यहां से रोजाना हजारों की संख्या में लोग ट्रेन के माध्यम से अपना सफर तय करते है। पूर्व सरपंच गणेशन मूर्ति,जनपद सदस्य डाक्टर प्रकाश वर्मा ने बताया कि पूर्व में मांढर को नगर पंचायत बनाने की मांग पहले भी की चुकी है। पर्याप्त जनसंख्या नहीं होने के कारण नगर पंचायत नहीं बनाया जा सका था। मांढर की जनसंख्या 16000 होने के बाद लोगों में नगर पंचायत बनाने की आस जग रही है। ज्ञात हो कि नगर पंचायत बनने के लिए 5000 की जनसंख्या चाहिए

पहले भी की जा चुकी है मांग

मांढर को नगर पंचायत बनाने की मांग पहले भी की चुकी है। मांढर जिले का हृदय स्थल है। यहां हजारों लोगों का आना-जाना लगा रहता है। मांढर को नगर पंचायत का दर्जा मिलना चाहिए, जिससे गांव का विकास हो सके।

गणेशन मूर्ति
पूर्व सरपंच मांढर

विकास होगा

ग्राम पंचायत मांढर को नगर पंचायत बनाया जाना चाहिए। एक बड़ा कस्बा है और नगर पंचायत बनने के सभी मापदंडों को पूरा करता है। नगर पंचायत बनने से इस क्षेत्र का पर्याप्त विकास होगा।

भरत सोनी
मण्डल अध्यक्ष, विधानसभा धरसींवा

नपं बनाने के बाद लोगों की समस्याओं का होगा निराकरण

ग्राम पंचायत मांढर को नगर पंचायत का दर्जा मिलने से लोगों की समस्याओं का समाधान, निराकरण बड़ी आसानी से हो पाएगा। वार्डवासियों को पेयजल, बिजली, सड़क की समस्या से निजात मिलेगी। इसके साथ ही नगर पंचायत बनने के बाद मूलभूत जैसी कई विकास कार्यों को लेकर प्रशासन की नजर रहेगी, जिससे इस गांव में विकास की लहर बहेगी। मांढर को नगर पंचायत बनाने को लेकर गांव के जनप्रतिनिधिमंडल,भाजपा मंडल ने धरसींवा विधायक अनुज शर्मा से चर्चा कर रहे हैं।

आपातकाल को भाजपाइयों ने काला दिवस के रूप में मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

इंदिरा गांधी के कांग्रेस शासन काल में लगाई गई इमरजेंसी को तिल्दा नेवरा काला दिवस के रूप में मंगलवार को भाजपाइयों द्वारा मनाया गया। भारतीय जनता पार्टी जिला रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष श्याम नारंग के तत्वावधान में पूज्य सिंधी पंचायत भवन तिल्दा में शाम को कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें अतिथि के रूप में मंत्री टंक राम वर्मा, धरसीवा विधायक अनुज शर्मा, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, नगर पालिका तिल्दा की अध्यक्ष लेमीक्षा गुरु डहरिया, खरोरा नगर पंचायत अध्यक्ष सोनी, भाजपा के रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्याम नारंग, जिला महामंत्री राम पंजवानी, सहित कई पदाधिकारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने इंदिरा गांधी के शासनकाल में लगाए इमरजेंसी को याद किया व आज के दिन को काला दिवस के रूप में मनाए जाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज काला दिवस मना रही है, उन्होंने कहा कि किस तरह से इंदिरा गांधी ने संविधान को बदला और संविधान की हत्या की जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू ने भी सभा को संबोधित किया, साथ ही धरसिवा विधायक अनुज शर्मा, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, जिला अध्यक्ष श्याम नारंग ने भी सभा को संबोधित किया व इंदिरा गांधी के शासनकाल में लगाए इमरजेंसी की निंदा करते हुए काला दिवस के रूप में आज के दिन को याद किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मीसा बंदी संतराम वर्मा का सम्मान किया गया। साथ ही मीसा बंदी संतराम वर्मा ने उस समय आपातकालीन में जेल दाखिल कैसे हुई और किस तरह की यातनाएं दी गई इसकी कहानी उन्होंने आप बीती सुनाई।

साथ ही मीसा बंदी पंडित मालू राम शर्मा के सुपुत्र नरेंद्र शर्मा का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भागबली साहू, जिला के पदाधिकारी राम पंजवानी, पूर्व नगर पालिका के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, पार्षद कृष्ण अनिल शर्मा, चंद्रकला डॉक्टर खुमान वर्मा, सुधा चौबे, सतीश निषाद, मनोज, अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष चंद्र कुमार पाटिल, अनिल शर्मा राजेश सेतपाल, अनुराधा वर्मा, देवकी बाघमार, विकास कोटवानी, सोनू पंजवानी, गणेश शर्मा, राजेंद्र केशरवाणी, नरसिंग वर्मा, खुमान वर्मा, सोहन धीवर, राजा केशरवानी, लक्ष्मीचंद नागवानी, रूपनारायण नेताम सहित भारी संख्या में भाजपाई उपस्थित थे।

अदाणी समूह के चार दिवसीय रक्तदान शिविर में 1700 यूनिट ब्लड एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

अडानी समूह के चेयरमैन के 62 वें जन्मदिन पर प्रदेश में समूह के कर्मचारियों द्वारा करीब 1700 यूनिट रक्तदान किया गया। प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा, रायगढ़, भाटापारा और दुर्ग जिले में स्थित सभी परियोजनाओं में चार दिवसीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 20 से 24 जून तक किया गया। जिसमें सभी परियोजनाओं में कार्यरत ठेका कामगारों के साथ-साथ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़ -चढ़ कर हिस्सा लिया। हर साल 24 जून को अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के जन्मदिन के अवसर पर भारत के साथ-साथ विदेशों में भी स्थित समूह के सभी संस्थानों में रक्त दान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शिविर का आयोजन किया जाता है।

प्रदेश में अदाणी समूह के अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज के सरगुजा में 250 यूनिट रक्तदान के साथ साथ 25000 से ज्यादा स्थानीय प्रजाति के पौधों को भी रोपित किया गया। जबकि रायगढ़ स्थित गारेपेल्मा-3 परियोजना में 100 यूनिट ज्यादा रक्तदान किया गया। इसके अलावा अदाणी पॉवर लिमिटेड के रायपुर में 500 यूनिट व रायगढ़ में 300 यूनिट से अधिक, अदाणी सीमेंट लिमिटेड के अंबुजा सीमेंट, भाटापारा में 230 यूनिट व एसीसी सीमेंट, जामुल सयंत्र में 300 यूनिट रक्त का दान समूह के कर्मचारियों द्वारा संबंधित जिलों के रेड क्रॉस सोसाइटी तथा अस्पतालों को कुल करीब 1700 यूनिट रक्तदान किया गया। साथ ही रायपुर स्थित समूह के राज्य कार्यालय के अधिकारियों द्वारा शहर के माना कैंप में स्थित वृद्धाश्रम में राशन आटा, चावल, दाल, शक्कर, रिफाइंड तेल, एलईडी बल्ब इत्यादि सहित फलों का दान भी किया गया।

शिविर में मौजूद मेडिकल टीम ने बताया कि रक्त दान करते समय दर्द सिर्फ एक सुई की चुभन से ज्यादा नहीं होता है। दान की प्रक्रिया, पंजीकरण तथा जलपान लेने तक मुश्किल से 20 से 30 मिनट लगते हैं। डोनेशन सेशन के दौरान सिर्फ 350-400 मि.ली. खून ही लिया जाता है। जबकि रक्तदान के बाद शरीर तेजी से नई कोशिकाओं का निर्माण कर इसकी आपूर्ति स्वयं ही कर लेता है।

18-60 वर्ष की आयु के बीच का कोई भी व्यक्ति जो फिट और स्वस्थ है, वह रक्त दे सकता है। 45 किलो से अधिक वजन वाला कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। वहीं बिना इन्सुलिन अर्थात गोलियों की मदद से अपने मधुमेह को नियंत्रित करने वाले व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं। जिनका रक्तचाप 100-140 सिस्टोलिक और 60-100 डायस्टोलिक के बीच नियंत्रित होता है, वे रक्तदान कर सकते हैं। और कोरोना वैक्सीन लिया हुआ व्यक्ति टीकाकरण के 14 दिन बाद और कोविड संक्रमण से ठीक होने के 28 दिन बाद रक्तदान कर सकता है। शिविर का आयोजन में अदाणी फाउंडेशन के साथ साथ मानव संसाधन विभाग तथा कॉर्पोरेट अफेयर्स विभाग का विशेष सहयोग रहा।

शिविर में किया गया समस्याओं का समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदिर हसौद

आरंग विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरु खुशवंत साहेब चंदखुरी और मंदिर हसौद की आम जनता की समस्या का समाधान करने स्वयं पालिका में पहुंचकर जनसमस्या शिविर के माध्यम से लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्या से अवगत हुए।

वहीं कई समस्या का तत्काल निवारण करने अधिकारियों को निर्देश दिया। वहीं मिलनसार विधायक गुरु खुशवंत को क्षेत्र की जनता अपने बीच पा कर उत्साहित दिखे और उनके समस्या का समाधान होने से जनता के बीच चर्चा का विषय रहा कि क्षेत्र में पहली बार ऐसे विधायक मिला है जो जनता के बीच पहुंचकर समस्या का समाधान कर रहे हैं।

दो दिन से बेचैन करने वाली गर्मी, आज से मानसून के फिर सक्रिय होने के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बारिश थमने की वजह से पिछले दो दिन से रायपुर समेत राज्य के अधिकतर इलाके में गर्मी बेचैन कर रही है। शहर का तापमान इस अवधि में 31 से बढ़कर 38 डिग्री तक पहुंच चुका है। बुधवार से राज्य में एक बार फिर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ मानसून के सक्रिय होने के आसार बन रहे हैं। वातावरण में अभी नमी की मात्रा अस्सी प्रतिशत से अधिक है, जिसकी वजह से तेज गर्मी के साथ चिपचिपाहट का अहसास हो रहा है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के सीमित स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई और अधिकतम आंकड़ा एकमात्र सक्ती में पांच सेमी. तक पहुंचा। शहर में दो दिन से बारिश नहीं हुई है, जिसकी वजह से पारा गर्म हो चुका है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार से मानसून की वापसी के आसार बन रहे हैं। अभी एक द्रोणिका दक्षिण गुजरात से उत्तर पश्चिम बिहार, मध्यप्रदेश होकर असम तक विस्तारित है।

मुख्यमंत्री से कंवर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से गत दिवस छतीसगढ़ प्रदेश कंवर समाज के प्रांतीय अध्यक्ष हरवंश मिरी के नेतृत्व में कंवर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ में लोकसभा निर्वाचन में शानदार सफलता अर्जित करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रदेश कंवर समाज के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मिरी ने मुख्यमंत्री को बताया कि कंवर समाज के टाटीबंध रायपुर स्थित प्रादेशिक कार्यालय में 23 जून को समाज की प्रांतीय प्रबंध कार्यकारिणी के साथ जिला इकाई के पदाधिकारियों की बैठक की गई थी, जिसमें प्रदेश के समस्त जिलों से लगभग 250 सामाजिक पदाधिकारियों ने हिस्सा लेकर विभिन्न सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श किया।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने अपनी विभिन्न मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

प्रदेश कंवर समाज के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश समिति के महासचिव नकुल चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष सविता साय, उपेंद्र पैकरा, थानसिंह दीवान, कोषाध्यक्ष बसंत दीवान, कार्यकारिणी सदस्य संदीप पैकरा भी शामिल थे।

पेज 09 के शेष...

आर्ट्स में ही कटऑफ...

साइंस कॉलेज में आवेदनों की संख्या अत्यधिक होने के कारण देर रात स्क्रूटनी होती रही। यहां मेरिट लिस्ट आज जारी की जाएगी। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, प्राप्त आवेदनों की संख्या को देखते हुए यहां प्रत्येक सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन में कटऑफ सामान्य वर्ग में प्रत्येक वर्ष की तरह 90 प्रतिशत के पार ही जाएंगे। दूसरी और तीसरी सूची में इसमें गिरावट आ सकती हैं। दुर्गा महाविद्यालय, छत्तीगसढ़ कॉलेज, देवेंद्र नगर कन्या महाविद्यालय और छत्तीसगढ़ कॉलेज भी मेरिट लिस्ट तैयार कर ली गई है। इसे आज जारी किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, यहां बीए में सामान्य वर्ग का कटऑफ 82 प्रतिशत गया है। बीकॉम और बीएससी में भी यह 85 प्रतिशत से अधिक है।

मंगलवार को मिली सूची

हमे लिस्ट मंगलवार को ही मिली है। मेरिट लिस्ट तय शेड्यूल के अनुसार बुधवार को जारी करेंगे। इसके बाद विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

-प्रो.वीके गोयल, प्राचार्य, देवेंद्र नगर कन्या महाविद्यालय

--

स्क्रूटनी जारी

साइंस कॉलेज में सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन और ग्रुप अधिक हैं। हमारी स्क्रूटनी जारी है। हम बुधवार को अपनी पहली मेरिट लिस्ट जारी करेंगे।

- डॉ.पीसी चौबे, प्राचार्य साइंस कॉलेज

कचना ओवरब्रिज के...

112 मकान-दुकान बाधक बन रहे, अब तक 49 मकान हटाए गए

वर्तमान में कचना की तरफ चार पिलर कैप तैयार कर लिए गए हैं। अब इन पर बीम डालने की तैयारी है, लेकिन कचना रेल पटरी के किनारे रेलवे जमीन पर बसे 112 मकान-दुकान ओवर ब्रिज के निर्माण में बाधक बने हुए थे। इनमें से पूर्व में 25 और अब 24 इस तरह अब तक 49 मकानों के परिवारों को कचना बीएसयूपी फ्लैट्स में विस्थापित कराने के बाद तोड़ा गया है, लेकिन अभी भी लगभग 30 मकान व 20 से ज्यादा दुकानों को यहां से तोड़ा जाना है। इसके पहले मकानों में रहने वाले परिवारों को विस्थापित कराया जाएगा।

रेलवे बोर्ड में...

सुरक्षा प्रणाली 'कवच' के ब्रेकिंग सिस्टम का परीक्षण सफल रहा है। यह परीक्षण हाई स्पीड ट्रेन पर किया गया था, जिसमें लगभग 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रहा इंजन रेड सिग्नल पर अपने आप ब्रेक लगकर रुका था। इसकी खास बात यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अगर ड्राइवर समय पर ब्रेक नहीं लगा पाता, तो कवच सिस्टम स्वचालित तरीके से खुद ट्रेन को ब्रेक लगाकर रोक सकता है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर

// आम सूचना //

जारी दिनांक 25/06/2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पिरदा, प.ह.नं. 76, रा.नि.मं. रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक अब्दुल आसिफ खान वगैरह द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 518/4 रकबा 0.7870 हे. के सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./...../अ-12/वर्ष 2023-24 आदेश दिनांक 04/06/2024 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन/बटांकन हमारे द्वारा दिनांक 04/07/2024 को दोपहर 12 बजे किया जाना नियत है। अतएंव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

रा.नि.मं. रायपुर-18
तहसील-रायपुर

न्यायालय पंजीयक, सार्वजनिक न्यास, एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायपुर (छ.ग.)
तहसील कार्यालय परिसर, शास्त्री चौक, जी.ई.रोड, रायपुर)

ईश्तहार

प्रकरण क्रमांक/202406111000426/ ब-113 (4) वर्ष 2023-24
क्रमांक/651/अ.वि.अ./पं.सा.न्या./2024
रायपुर, दिनांक 20/06/2024

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री व्यास नारायण तिवारी, सचिव, श्री महामाया देवी मंदिर, निवासी पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) द्वारा "श्री महामाया देवी मंदिर", सार्वजनिक न्यास, पंजीयन क्रमांक-136 की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार ट्रस्ट पंजी में परिवर्तन हेतु लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 9(1) के तहत निम्नानुसार परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:- ट्रस्ट में परिवर्तन- क्र. परिवर्तन की प्रकृति- 1. नवनियुक्त ट्रस्टी का नाम लोक न्यास पंजी में दर्ज करने हेतु 1. श्री आनंद कुमार शर्मा पिता स्व. श्री देवलाल शर्मा 2. श्री विजय शंकर अग्रवाल पिता स्व. श्री रामकृष्ण अग्रवाल 3. श्री दुर्गा प्रसाद पाठक पिता स्व. श्री बाबूजी पाठक 4. श्री महेन्द्र कुमार पाण्डेय पिता स्व. श्री घासीराम पाण्डेय 5. श्री उपेन्द्र कुमार शुक्ला पिता स्व. श्री राम सनेही शुक्ला, परिवर्तन के कारण- न्यास में कार्यरत ट्रस्टी की मृत्यु होने के कारण उनके स्थान पर नये ट्रस्टियों की नियुक्ति, टिप्पणी।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संबंध में कोई दावा, आपत्ति या सुझाव हो तो वे इस सूचना प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में इस न्यायालय में अपने लिखित वक्तव्य (02 प्रतियों में) प्रस्तुत कर सकते हैं एवं पेशी के दिन कार्यालय समय में स्वतः या विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होवें। निर्धारित तिथि के पश्चात प्रस्तुत किये गये दावा, आपत्ति या सुझाव पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

(नंदकुमार चौबे)
पंजीयक, सार्वजनिक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायपुर (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय तहसीलदार तिल्दा-नेवरा
जिला रायपुर (छ.ग.)

-: उदघोषणा ::-

क्रमांक /क/ अ-27 वर्ष 2023-24
ग्राम छपोरा प.ह.न. 24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है तहसील तिल्दा के प.ह.न. 00024 के अंतर्गत ग्राम छपोरा के वर्तमान भूमिस्वामी कलावती पिता/पति-रामवलल्भ पता- सा देह भू स्वामी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 660/1 (1.2260), 531/2 (1.1940), 768 (1.1930), 769 (0.3440), 531/1 (3.3420), 659/1 (0.1460) में प्रस्तावित भूमिस्वामी कृष्णा भट्टड पिता संतोष भट्टड पता, के नाम पर नाम पर भूमिस्वामी के जीवनकाल में भूमि का विभाजन (खाता विभाजन) के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 10/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार -02 तिल्दा-नेवरा पर की जावेगी।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाशक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 25.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
तिल्दा-नेवरा

मुहर

नरदहा में जिला मानस संघ की बैठक संपन्न

आरंग। मानस शक्ति केंद्र चंदखुरी के अंतर्गत ग्राम नरदहा के कुर्मी भवन में मां कौशल्या जिला मानस संघ रायपुर का बैठक संपन्न हुआ। जिसमें मानस संघ एवं शक्ति केंद्र के पूरण वर्मा, डॉ. नारायण वर्मा, नारायण साहू, श्यामलाल तारक, पोयम साहू, रोहित साहू, श्यामलाल साहू, नीलकंठ साहू, विजय साहू, भुवन साहू, पिंटू पटेल इत्यादि पदाधिकारीगण के उपस्थिति में सर्वसम्मति से 14 जुलाई को 15वां वार्षिक उत्सव मानस ग्राम नरदहा में मनाए जाने का निर्णय लिया गया। उक्त जानकारी हीरालाल साहू ने दी।

खबर संक्षेप

बिन्नी बाई सोनकर स्कूल में समर कैंप का समापन

रायपुर। नगर माता बिन्नी बाई सोनकर गवर्नमेंट इंगलिश मीडियम उत्कृष्ट विद्यालय भाठागांव में 1 मई से 55 दिनों तक आयोजित समर कैंप का समापन मंगलवार को किया गया। यह समर कैंप राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक बिहारीलाल शर्मा द्वारा किया गया। शिक्षक श्री शर्मा द्वारा इंगलिश एवं हिंदी मीडियम कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 9 बजे तक अध्यापन कराया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत 13 वर्षों से शिक्षक बिहारीलाल शर्मा द्वारा समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में प्राचार्य डॉ. मंजू अग्रवाल का मार्गदर्शन हमेशा मिलता है।

महाराष्ट्र मंडल की नई कार्यकारिणी की बैठक आज

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के नए कार्यकाल 2024-26 के लिए नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की पहली बैठक 26 जून को शाम 6.30 बजे होगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय मधुकर काले के नेतृत्व में होने वाली इस बैठक में नियमानुसार मनोनीत किए जाने वाले सात नए कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की जाएगी। इसके अलावा 15 समितियों के प्रभारी-सहप्रभारी भी तय किए जाएंगे और नए सिरे से उनके दायित्वों का 26 जून की बैठक के बाद महाराष्ट्र मंडल का नया पोर्टफोलियो घोषित किया जाएगा। इनमें दो से तीन नए नाम मनोनीत कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सामने आ सकते हैं।

निधन

अश्वनी शर्मा

रायपुर। कैलाशपुरी निवासी अश्वनी कुमार शर्मा (70) नरदहा वाले का 25 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 26 जून को निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे रुक्मणी शर्मा के पति और उपकार शर्मा एवं उपासना शर्मा के पिता थे।

पद्मा कसार

रायपुर। कंकालीपारा पुरानी बस्ती निवासी पद्मा कसार का 25 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 26 जून को दोपहर 3 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे जयनारायण कसार की पत्नी,आशीष और अखिलेश की माता थीं।

यशवंत साहू

रायपुर। ग्राम कोपेडीह निवासी यशवंत साहू (36) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम के मुक्तिधाम में किया गया। वे दुर्बन साहू के पुत्र, कमलेश साहू के भाई, कंचन, कविता, एकता और स्वाति के पिता थे।

हाज़रा बेगम

रायपुर। शताब्दी नगर निवासी हाज़रा बेगम का इंतेक़ाल हो गया। उन्हें मंगलवार को मौदहापारा कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया है। वे मिर्ज़ा फरहद और मिर्ज़ा इनायत अली की माता थीं।

बस्ती वालों और ठेकेदार के बीच विवाद, 8 माह से तालाब की सफाई नहीं, गंदगी से मर रही मछलियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के राजीव गांधी वार्ड क्रमांक 13 स्थित तालाब में इस कदर गंदगी फैली हुई है कि अब यहां मछलियां भी मरने लगी हैं। बताया जा रहा है कि इस तालाब की पिछले 8 महीने से सफाई नहीं की गई है। इसका कारण ठेकेदार और बस्ती वासियों के बीच मछली पालन को लेकर विवाद है। वार्ड पार्षद तिलक पटेल ने बताया कि बस्ती वासी नहीं चाहते कि ठेकेदार जाल से यहां मछली पकड़ने का काम कराए, जबकि ठेकेदार का कहना है कि तालाब की सफाई का ठेका मछली पालन के आधार पर लिया है। इस तरह बस्ती वासी व ठेकेदार के बीच विवाद के कारण तालाब की सफाई नहीं हो पा रही है।

अलग खबर

राजीव गांधी वार्ड क्रमांक 13 का मामला

निगम अधिकारियों की समझाइश पर भी नहीं माने बस्ती वासी

पार्षद का कहना है कि तालाब में मछली पकड़ने के विरोध के कारण तालाब की सफाई का काम नहीं हो पा रहा है। इसके कारण तालाब के पानी में प्लास्टिक बोतल, पन्नी सहित कचरे का अंबार लग गया है। इसके कारण पानी भी खराब हो गया है। पानी खराब होने के कारण ही तालाब की मछलियां मर रही हैं। मछलियों के मरने के कारण अब तालाब से तेज बदबू आने लगी है, जिसके कारण तालाब का पानी भी उपयोग करने लायक नहीं रहा। उन्होंने बताया कि तालाब की स्थिति को देखते हुए उन्होंने कई बार बस्तीवासियों को समझाइश देने का प्रयास किया है, यहां तक कि जोन कमिश्नर भी उन्हें समझा चुके हैं, बावजूद बस्ती वाले समझने को तैयार नहीं हैं। बस्ती वाले अब ठेकेदार से काम कराना ही नहीं चाहते हैं। वे ठेका दूसरे को देने की मांग कर रहे हैं।

राजधानी के ग्लोरियस हायर सेकंडरी स्कूल का मामला

गरीब बच्चों से पल्ला झाड़ने के लिए सामान्य स्कूल को बनाया अल्पसंख्यक, पालकों का जमकर हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला शिक्षा कार्यालय में मंगलवार को गुस्साए पालकों ने दफ्तर घेर लिया। सभी पालक ग्लोरियस हायर सेकंडरी में अध्ययनरत छात्रों के थे। दरअसल इस विद्यालय ने नवीन शैक्षणिक सत्र से अल्पसंख्यक अधिनियम के अंतर्गत छूट प्राप्त कर ली है। इस कारण यहां आरटीई के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों से शुल्क मांगा जा रहा है। पालकों के अनुसार, विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि अल्पसंख्यक संस्थान वाले विद्यालय आरटीई के अंतर्गत नहीं आते। ऐसे में उन्हें आरटीई के तहत 25 फीसदी सीटों पर गरीब बच्चों को प्रवेश प्रदान की बाध्यता नहीं होती है। नए सत्र से आरटीई के अंतर्गत नवीन छात्रों के प्रवेश नहीं लेने के साथ ही पूर्व में दाखिला प्राप्त छात्रों से भी फीस मांगी जा रही है। इसके विरोध में ही पालकों द्वारा जिला शिक्षा कार्यालय का घेराव किया गया। पालकों ने यहां नारेबाजी करते हुए स्कूल प्रबंधन पर कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों का कहना है कि उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, इस कारण ही उनके द्वारा अपने बच्चों का दाखिला आरटीई के माध्यम से करवाया गया था। अब संस्थान द्वारा अचानक से फीस मांगे जाने के कारण बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। यहां आरटीई के तहत अध्ययनरत 94 बच्चों का भविष्य संकट में आ गया है। पालकों ने कार्रवाई की मांग की है।

■ पहले दे रहे थे निशुल्क शिक्षा, अब मांग रहे फीस

कोई कार्रवाई अब तक नहीं

गौरतलब है कि कई बड़े निजी स्कूल अपनी प्रबंधन समिति में अल्पसंख्यक सदस्यों की संख्या बताकर हर साल आरटीई के दायरे से बाहर हो जाते हैं। इससे कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को अच्छे स्कूलों में दाखिला नहीं मिल पाता। इसे लेकर कई बार मांग की जा चुकी है कि इन बच्चों के हित को देखते हुए सरकार ऐसा नियम बनाए, जिससे आरटीई के दायरे से कोई भी स्कूल केवल कमेटी के सदस्यों की संख्या के आधार पर बच न सके। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई इस पर नहीं हुई है। प्रवधान के तहत अल्पसंख्यक स्कूल आरटीई के दायरे में नहीं आते। यह छूट संविधान की धारा-29, 30 के तहत दी जाती है।

दो दिन से बेचैन करने वाली गर्मी, आज से मानसून के फिर सक्रिय होने के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बारिश थमने की वजह से पिछले दो दिन से रायपुर समेत राज्य के अधिकतर इलाके में गर्मी बेचैन कर रही है। शहर का तापमान इस अवधि में 31 से बढ़कर 38 डिग्री तक पहुंच चुका है। बुधवार से राज्य में एक बार फिर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ मानसून के सक्रिय होने के आसार बन रहे हैं। वातावरण में अभी नमी की मात्रा अस्सी प्रतिशत से अधिक है, जिसकी वजह से तेज गर्मी के साथ चिपचिपाहट का अहसास हो रहा है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के सीमित स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई और अधिकतम आंकड़ा एकमात्र सक्ती में पांच सेमी. तक पहुंचा। शहर में दो दिन से बारिश नहीं हुई है, जिसकी वजह से पारा गर्म हो चुका है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार से मानसून की वापसी के आसार बन रहे हैं। अभी एक द्रोणिका दक्षिण गुजरात से उत्तर पश्चिम बिहार, मध्यप्रदेश होकर असम तक विस्तारित है। कल अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके साथ ही बस्तर संभाग और उससे लगे आसपास के जिलों में भारी वर्षा हो सकती है।

■ 31 से 38 डिग्री तक पहुंचा शहर का अधिकतम तापमान

तीन बड़े बकायादारों की दुकानें सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

संपत्ति कर वसूली के अभियान के तहत मंगलवार को नगर निगम की राजस्व विभाग टीम ने तीन बड़े बकायेदारों की दुकानों को सीलबंद करने की कार्रवाई की। इन तीनों दुकानों में किसी पर लगभग चार लाख तो किसी पर लगभग पांच लाख रुपए संपत्ति कर बकाया है। विभाग ने इन तीनों दुकान संचालकों को बकाया संपत्ति कर का भुगतान करने के लिए पूर्व में कई बार नोटिस जारी कर चुका है, बावजूद भुगतान नहीं किया जा रहा था। इस मामले में अब टीम ने तीनों दुकानों में ताला लगाकर सीलबंद करने की कार्रवाई की। जोन-3 कमिश्नर प्रीति सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम सबसे पहले महात्मा गांधी वार्ड नंबर-12 क्षेत्र में शुभ कदम शो रूम के बाजू में संचालित संस्थान के प्रॉपराइटर हरीश कुमार जैन पर 4 लाख 81 हजार 926 रुपए संपत्ति कर बकाया है। उसके द्वारा पिछले कई साल से संपत्ति कर का भुगतान नहीं किया है। राजस्व विभाग ने संपत्ति कर भुगतान करने के लिए कई बार नोटिस भी जारी किया है, बावजूद उसके द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा था। इसके अलावा पंडरी कपड़ा बाजार में अतिउर रहमान पर 3 लाख 87 हजार 816 रूपये तथा वार्ड क्रमांक 48 में हरीश रंगलानी पर 4 करोड़ 70 हजार 78 रुपए की संपत्ति कर बकाया है। इन दोनों दुकान संचालकों को भी नोटिस जारी किया गया था, बावजूद संपत्ति कर का भुगतान नहीं किया जा रहा था। इस तरह इन तीनों मामलों में इनकी दुकानों को सीलबंद करने की कार्रवाई की गई है।

■ निगम जोन 3 के राजस्व विभाग की कार्रवाई

बड़े बकायेदारों की सूची तैयार

विदित हो कि नगर निगम प्रशासन संपत्ति कर के बड़े बकायेदारों से वसूली करने का अभियान चला रहा है। इसके तहत अब तक कई मामलों में कार्रवाई करते हुए दुकानों को सीलबंद किया गया है। हालांकि कई दुकानों के संचालकों ने सीलबंद से बचने के लिए तत्काल बकाया राशि का भुगतान भी किया है, लेकिन अभी भी ऐसे कई दुकानदार है जो पिछले कई सालों से संपत्ति कर का भुगतान नहीं किया है। निगम ऐसे बड़े बकायेदारों की सूची तैयार की हुई है और इनके खिलाफ नोटिस जारी कर भुगतान करने के लिए समय दिया जा रहा है। इस समय के बाद भी बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

नियद नेल्लानार योजना का सुचारू रूप से मिलता रहे लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा है कि नियद नेल्लानार योजना में शामिल बस्तर संभाग के कांकेर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बीजापुर और सुकमा जिले के गांवों में लोगों को उनकी आवश्यकतानुसार सभी बुनियादी सुविधाएं एवं कल्याणकारी योजनाओं का फायदा मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव श्री जैन मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में नियद नेल्लानार योजना की राज्य स्तरीय समिति की बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। योजना के तहत क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, शिक्षा, खाद्यान्न, पोषण आहार, खेल सुविधा, पेयजल सहित वहां के किसानों को किसान सम्मान निधि और खाद-बीज समय पर मिले, यह सुनिश्चित करने कहा गया है। मुख्य सचिव ने इन गांवों में शासन की सभी कल्याणकारी योजनाओं के तहत दी जाने वाली सेवा और सुविधा सुचारू रूप से मिलती रहे, यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बस्तर संभाग के कमिश्नर, आईजी और कलेक्टर्स शामिल हुए।

एमए इंग्लिश में 52 प्रतिशत, एमए हिंदी में 86% उत्तीर्ण

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा मंगलवार को एमए हिंदी व इंग्लिश के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए। एमए इंग्लिश प्रथम वर्ष के लिए 1289 छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें से 674 पास तथा 609 फेल रहे। परिणाम 52.29% रहे। एमए हिंदी अंतिम वर्ष की परीक्षा में शामिल 2565 छात्रों में से 2218 उत्तीर्ण और 325 अनुत्तीर्ण रहे। परिणाम 86.47% रहे। एमए संस्कृत प्रथम वर्ष में 36.36% व द्वितीय वर्ष में 47.14% उत्तीर्ण रहे।

पुरानी रंजिश पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर । युवक पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी को टिकरापारा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना 17 जून की रात 11 बजे की है। प्रार्थी मौमिल केशरवानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पूर्व में हुए झगड़े की बात पर आरोपी दीपांशु साहू निवासी बाजार चौक सनौद बालोद ने उस पर चाकू से हमला किया था। इस हमले में उसके पेट, सीने, गर्दन के पास चोट आई थी। पुलिस ने मामले आरोपी के खिलाफ धारा 307, 294, 506 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पेज 9 के शेष

आर्ट्स में ही कटऑफ...

साइंस कॉलेज में आवेदनों की संख्या अत्यधिक होने के कारण देर रात स्क्रूटनी होती रही। यहां मेरिट लिस्ट आज जारी की जाएगी। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, प्राप्त आवेदनों की संख्या को देखते हुए यहां प्रत्येक सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन में कटऑफ सामान्य वर्ग में प्रत्येक वर्ष की तरह 90 प्रतिशत के पार ही जाएंगे। दूसरी और तीसरी सूची में इसमें गिरावट आ सकती हैं। दुर्गा महाविद्यालय, छत्तीगसढ़ कॉलेज, देवेंद्र नगर कन्या महाविद्यालय और छत्तीसगढ़ कॉलेज भी मेरिट लिस्ट तैयार कर ली गई है। इसे आज जारी किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, यहां बीए में सामान्य वर्ग का कटऑफ 82 प्रतिशत गया है। बीकॉम और बीएससी में भी यह 85 प्रतिशत से अधिक है।

मंगलवार को मिली सूची

हमे लिस्ट मंगलवार को ही मिली है। मेरिट लिस्ट तय शेड्यूल के अनुसार बुधवार को जारी करेंगे। इसके बाद विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

-प्रो.वीके गोयल, प्राचार्य, देवेंद्र नगर कन्या महाविद्यालय

स्क्रूटनी जारी

साइंस कॉलेज में सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन और ग्रुप अधिक हैं। हमारी स्क्रूटनी जारी है। हम बुधवार को अपनी पहली मेरिट लिस्ट जारी करेंगे।

- डॉ.पीसी चौबे, प्राचार्य साइंस कॉलेज

कचना ओवरब्रिज के...

112 मकान-दुकान बाधक बन रहे, अब तक 49 मकान हटाए गए

वर्तमान में कचना की तरफ चार पिलर कैप तैयार कर लिए गए हैं। अब इन पर बीम डालने की तैयारी है, लेकिन कचना रेल पटरी के किनारे रेलवे जमीन पर बसे 112 मकान-दुकान ओवर ब्रिज के निर्माण में बाधक बने हुए थे। इनमें से पूर्व में 25 और अब 24 इस तरक अब तक 49 मकानों के परिवारों को कचना बीएसयूपी फ्लैट्स में विस्थापित कराने के बाद तोड़ा गया है, लेकिन अभी भी लगभग 30 मकान व 20 से ज्यादा दुकानों को यहां से तोड़ा जाना है। इसके पहले मकानों में रहने वाले परिवारों को विस्थापित कराया जाएगा।

रेलवे बोर्ड में...

सुरक्षा प्रणाली 'कवच' के ब्रेकिंग सिस्टम का परीक्षण सफल रहा है। यह परीक्षण हाई स्पीड ट्रेन पर किया गया था, जिसमें लगभग 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रहा इंजन रेड सिग्नल पर अपने आप ब्रेक लगाकर रुका था। इसकी खास बात यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अगर ड्राइवर समय पर ब्रेक नहीं लगा पाता, तो कवच सिस्टम स्वचालित तरीके से खुद ट्रेन को ब्रेक लगाकर रोक सकता है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर

// आम सूचना //

जारी दिनांक 25/06/2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम सिलड़ी, प.ह.नं. 76, रा.नि.मं. रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक [illegible] भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 518/4 रकबा 0.7870 हे. के सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./.../अ-12/वर्ष 2023-24 आदेश दिनांक 04/06/2024 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन/बटांकन हमारे द्वारा दिनांक 04/07/2024 को दोपहर 12 बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी चतुर्सीमावर्ती भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

यो सूचना जारी।

रा.नि.मं. रायपुर-18
तहसील-रायपुर

न्यायालय पंजीयक, सार्वजनिक न्यास, एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायपुर (छ.ग.)
तहसील कार्यालय परिसर, शास्त्री चौक, जी.ई.रोड, रायपुर)

ईश्तहार

प्रकरण क्रमांक/202406111000426/
ब-113 (4) वर्ष 2023-24
क्रमांक/651/अ.वि.अ./पं.सा.न्या./2024
रायपुर, दिनांक 20/06/2024

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री व्यास नारायण तिवारी, सचिव, श्री महामाया देवी मंदिर, निवासी पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) द्वारा "श्री महामाया देवी मंदिर", सार्वजनिक न्यास, पंजीयन क्रमांक-136 की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार ट्रस्ट पंजी में परिवर्तन हेतु लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 9(1) के तहत निम्नानुसार परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:- ट्रस्ट में परिवर्तन- क्र. परिवर्तन की प्रकृति- 1. नवनियुक्त ट्रस्टी का नाम लोक न्यास पंजी में दर्ज करने हेतु 1. श्री आनंद कुमार शर्मा पिता स्व. श्री देवलाल शर्मा 2. श्री विजय शंकर अग्रवाल पिता स्व. श्री रामकृष्ण अग्रवाल 3. श्री दुर्गा प्रसाद पाठक पिता स्व. श्री बाबूजी पाठक 4. श्री महेन्द्र कुमार पाण्डेय पिता स्व. श्री घासीराम पाण्डेय 5. श्री उपेन्द्र कुमार शुक्ला पिता स्व. श्री राम सनेही शुक्ला, परिवर्तन के कारण- न्यास में कार्यरत ट्रस्टी की मृत्यु होने के कारण उनके स्थान पर नये ट्रस्टियों की नियुक्ति, टिप्पणी।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संबंध में कोई दावा, आपत्ति या सुझाव हो तो वे इस सूचना प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में इस न्यायालय में अपने लिखित वक्तव्य (02 प्रतियों में) प्रस्तुत कर सकते हैं एवं पेशी के दिन कार्यालय समय में स्वतः या विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होवें। निर्धारित तिथि के पश्चात प्रस्तुत किये गये दावा, आपत्ति या सुझाव पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

(नंदकुमार चौबे)
पंजीयक, सार्वजनिक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायपुर (छ.ग.)

मुख्यमंत्री से कंवर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से गत दिवस छत्तीसगढ़ प्रदेश कंवर समाज के प्रांतीय अध्यक्ष हरवंश मिरी के नेतृत्व में कंवर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ में लोकसभा निर्वाचन में शानदार सफलता अर्जित करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रदेश कंवर समाज के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मिरी ने मुख्यमंत्री को बताया कि कंवर समाज के टाटीबंध रायपुर स्थित प्रादेशिक कार्यालय में 23 जून को समाज की प्रांतीय प्रबंध कार्यकारिणी के साथ जिला इकाई के पदाधिकारियों की बैठक की गई थी, जिसमें प्रदेश के समस्त जिलों से लगभग 250 सामाजिक पदाधिकारियों ने हिस्सा लेकर विभिन्न सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श किया।

खबर संक्षेप

अखिल भारतीय संत समिति की बैठक

रायपुर। श्रीराम-जानकी मंदिर सेंतगंगा मुंगेली में अखिल भारतीय संत समिति छत्तीसगढ़ की प्रदेश 'कोर कमेटी' की बैठक हुई। जहां उपस्थित लोगों ने बताया कि छग प्रदेश के मठ-मंदिर के विभिन्न समस्याओं और 2 जुलाई को व्यापक स्तर पर संतों की बैठक रायपुर में होगी, इसमें राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल होंगें, इसी विषय पर चर्चा की हुई। इस चर्चा में सभी अन्य क्षेत्रों से महंत, संतों व पदाधिकारियों का विशेष आगमन हुआ, जिसमें प्रमुख रूप से अखिल भारतीय संत समिति के महंत नरेंद्र दास, स्वामी सर्वेश्वर दास, आचार्य राकेश महाराज, महंत स्वामी राधेश्याम महाराज, डॉ. स्वामी राजेश्वरानंद महाराज, महंत सीताराम दास, महंत त्रिवेणी दास, महंत श्यामसुंदर दास आदि उपस्थित रहे।

युवतियों ने नई तकनीक से सीखा मेहंदी आर्ट

रायपुर। केयर स्किल फाउंडेशन द्वारा लक्ष्मीनगर प्रिंस कॉलोनी स्थित कार्यालय में 10 दिवसीय मेहंदी कक्षा का समापन मंगलवार को किया गया, जिसमें 21 युवतियों ने हिस्सा लिया। युवतियों ने बताया कि इस दौरान काफी कुछ सीखने को मिला। नई तकनीक और स्टाइल से मेहंदी लगाने की विधि सिखाई गई। युवतियों में काफी उत्साह का माहौल था। मेहंदी कक्षा में प्रशिक्षिका प्रज्ञा देवांगन द्वारा शुरुआत में मेहंदी के बेसिक गुण सिखाए गए, फिर प्रोफेशनल मेहंदी लगाना सिखाया गया। साथ ही ब्राइडल मेहंदी लगाने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में चंद्रशेखर साहू, विजय निषाद, सनिल जांगड़े, भुनेश्वरी साहू, निर्मला साहू, हरिश्वर दास, हेमा मानिकपुरी, प्रियंका पटेल मौजूद थे।

बच्चों ने दी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर। लावण्या फाउंडेशन द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में आयोजित कला को समर्पित कार्यक्रम कला की कार्यशाला का समापन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित दर्शकों द्वारा भरपूर प्रशंसा प्राप्त हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की कला को मंच प्रदान करना है। लावण्या फाउंडेशन द्वारा संचालित रॉयल इवेंट्स एंड म्यूजिक अकादमी में जो बच्चे नृत्य, वाद्य एवं संगीत आदि कलाओं का शिक्षण प्रशिक्षण ले रहे हैं, उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष यह मंच प्रदान किया जाता है। इस आयोजन से विशेषकर बस्ती में रहने वाले वह बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी सीआईडी मिलना कुर्रे, आशीष मिश्रा, डॉ. नवीन गुप्ता एवं मुकेश शाह सहित आरके तिवारी, सरिता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्लेटफार्म टिकट में जीएसटी का जिक्र नहीं, टैक्स समाप्त करने से यहां के यात्रियों को नहीं मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक में प्लेटफार्म टिकट से जीएसटी समाप्त करने का लिया गया है निर्णय

गुड्स एंड सर्विस टैक्स, जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक बीते शनिवार को नई दिल्ली में हुई, जिसमें रेलवे प्लेटफार्म टिकट से जीएसटी समाप्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, लेकिन फैसले से राजधानी के यात्रियों का एक भी पैसा नहीं बचेगा, क्योंकि प्लेटफार्म टिकट में पहले से ही जीएसटी नहीं है।

ट्रेन में एसी क्लास टिकट पर जीएसटी लगता है। हरिभूमि से बातचीत में भी रेलवे के उच्च अधिकारियों ने भी स्वीकार किया कि प्लेटफार्म जीएसटी नहीं होता है। जीएसटी काउंसिल के निर्णय के बाद मंडल व जोन के अधिकारियों को भी अब वित्त विभाग के लिखित आदेश का इंतजार है। इधर यात्री असमंजस में हैं कि जब टिकट में जीएसटी का जिक्र नहीं है, तो फिर जीएसटी समाप्त करने का क्या लाभ होगा। टिकटों पर लगने वाले जीएसटी की पड़ताल की, तो पता चला रेलवे के खानपान और एसी क्लास टिकटों पर जीएसटी है।

ऑनलाइन टिकटों पर अलग से स्पष्ट रूप से लिखा है कि जीएसटी लगता है, लेकिन स्टेशन विंडो से लिए गए टिकट पर कुल राशि ही लिखी होती है। स्टेशन में अनरिजर्व टिकटिंग सिस्टम, यूटीएस से प्लेटफार्म टिकट लिया गया। इस पर मूल्य 10 रुपये अंकित है। इसमें जीएसटी का अलग से कोई उल्लेख ही नहीं है। इसके बाद यूटीएस से ही मिलने वाले रायपुर से कुम्हारी तक के सामान्य टिकट और रायपुर से ही नागपुर स्लीपर क्लास टिकट पर भी जीएसटी नहीं लिखा हुआ।

आदेश के बाद समझ आएगा जीएसटी का गणित

स्टेशन से प्लेटफार्म टिकट लेने पर उसमें जीएसटी नहीं लिखा होता। ऐसे में जीएसटी समाप्त करने के निर्णय से यात्रियों को किस तरह से लाभ मिलेगा यह वित्त विभाग के आदेश के बाद ही समझ आएगा। रेल अफसर का कहना है कि वित्त विभाग से अभी कोई लिखित आदेश नहीं मिला है। प्लेटफार्म दर की नई सूची भी नहीं आई है। यात्रियों को भी जीएसटी समाप्त करने का निर्णय समझ नहीं आ रहा है कि उनका कितना पैसा बचेगा।

टिकट में लिखा नहीं होता

प्लेटफार्म टिकट में जीएसटी नहीं लिखा हुआ होता है। फैसले से यात्रियों को जीएसटी में कितनी छूट मिलेगी यह लिखित आदेश मिलने के बाद ही बता सकता हूं। अभी नई दर की सूची नहीं आई है। - **विकास कश्यप,** सीपीआरओ, दपूमरे

स्लीपर टिकट पर भी जीएसटी नहीं

रायपुर से नागपुर जाने वाली ट्रेन संख्या 12409 के स्लीपर क्लास में जब टिकट चेक किया गया, तो 240 रुपये किराया है। इसमें 20 रुपये रिजर्वेशन चार्ज, 30 रुपये सुपर फास्ट चार्ज और 190 बेसिक किराया है। इस टिकट पर कहीं भी जीएसटी नहीं लिया जा रहा। इसी तरह इसी ट्रेन के थर्ड एसी क्लास में किराया चेक किया गया, तो इस टिकट का किराया 610 रुपये है, लेकिन इसमें 29 रुपये जीएसटी चार्ज है, जबकि 40 रुपये रिजर्वेशन चार्ज और 45 रुपये सुपर फास्ट चार्ज है। सेकेंड एसी में 40 रुपये तो फर्स्ट एसी में 67 रुपये जीएसटी है।

अव्यवस्था : रायपुर व बिरगांव निगम में युवाओं की योजना का दो साल से ऐसा हाल

पौनी पसारी के 144 चबूतरे भी दो साल से खाली, किसी में कब्जा, कहीं जम रहे नशेड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सरकार की योजना का लाभ फंड खर्च करने के दो साल बाद भी युवाओं को नहीं मिल रहा है। बनवाने के बाद इस तरह की स्थिति रायपुर ही नहीं, बल्कि इससे सटे बिरगांव निगम सीमा में भी देखने को मिल रही है। दोनों ही निगम के जिम्मेदारों ने नाई, मेकैनिक, सब्जी, फल, मनिहारी जैसे व्यवसाय से रोजी-रोती कमाने के लिए यहां-वहां घूमने वालों को व्यवसाय के लिए चबूतरा देने 10 स्थानों पर पौनी पसारी बनवाने पर 2.50 करोड़ खर्च किया। इसके बाद से 144 जबूतरों को जिम्मेदार भूल गए हैं। नतीजा, किसी पौनी पसारी में कब्जा, तो कहीं नशेड़ी जमने लगे हैं।

रायपुर नगर निगम ने दो साल पहले 10 में से 7 जोन सीमा में नाई, धोबी, मेकैनिक, सब्जी, फल के साथ ही कुकर सुधार जैसे छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाले युवाओं को एक ही जगह बाजार देने की मुहिम पूर्व सरकार के आदेश पर शुरू की थी। इसे शहरी क्षेत्र के हर जोन से जुड़े वार्डों की सुविधा के लिहाज से 25-25 लाख की लागत से बनवाया गया है।

हरिभूमि सरोकार

आवंटन की प्रक्रिया जल्द करेंगे

अगर जोन क्षेत्र में पौनी पसारी के तहत चबूतरे बनने के बाद भी वहां युवाओं का व्यावसाय शुरू नहीं करवा पाए हैं, तो जानकारी लेने के बाद आवंटन की प्रक्रिया जल्द करेंगे।

- **अबिनाश मिश्रा,** आयुक्त, नगर निगम, रायपुर

बाजार शुरू करने की प्रक्रिया की गई है

रावांभाठा में लोगों की सुविधा के लिए बाजार शुरू करने की प्रक्रिया की गई है। सरोरा में कुछ जरूरी काम करवाने के बाद शुरू किया जाएगा, उरकुरा में अभी समय लगेगा।

- **बृजेश सिंह क्षत्रिय,** आयुक्त, ननि बिरगांव

सिर्फ तीन जगह ही बना पाए

वहीं बिरगांव निगम क्षेत्र में पौनी पसारी की स्थिति ज्यादा खराब है। सुविधाओं के लिए तरसने वाले उरकुरा, सरोरा व रावांभाठा में भी प्रति स्थान पर 12-12 लोगों के लिहाज से 36 शेडयुक्त चबूतरा बनवाया गया है। यहां चबूतरे अभी तक खाली पड़े हैं। वार्ड के लोगों ने बताया कि दुकान बनने के बाद से यहां नाई, धोबी, बढ़ई, राजमिस्त्री तो दूर, सब्जी विक्रेता भी बैठने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे रात के अंधेरे में ही नहीं दिन में भी सूनसान इलाके में चबूतरा होने से नशेड़ी जमने लगे हैं। लोगों को चबूतरा अलॉट करने के लिए तीन बार प्रयास करने के बाद भी निगम के जिम्मेदार सुविधा नहीं दे पाए हैं।

7 जोन बनवाया शेडयुक्त चबूतरा

रायपुर निगम ने 10 में से अलग-अलग 7 जोन सीमा में 12-12 लोगों के लिए शेडयुक्त चबूतरा बनवाया गया। हर जोन आयुक्त ने मुख्यालय को इसकी जानकारी भी भेज दी है। इसके बाद भी स्थिति यह है कि पौनी-पसारी के लिए बनवाए गए चबूतरों पर आसपास के सब्जी बेचने वालों ने कब्जा कर लिया है। वहीं बाहरी क्षेत्र के चबूतरों पर नशा करने वालों ने पैठ बना ली है। इसकी जानकारी देने के बाद भी निगम के जिम्मेदार अभी बाजार शुरू नहीं करवा पाए हैं।

पसरा वाले भी तैयार नहीं

सड़क तक पसरा सजाने वाले लोग भी पौनी पसारी के चबूतरों पर बैठने के लिए तैयार नहीं है। वजह जांचने पर पता चला कि जहां एसी, कुलर व पंखे की सुविधा के बाद भी लोग नाई, धोबी तो दूर मैकेनिक के पास भी जाने की बजाय फोन करके घर बुलाने लगे हैं। ऐसे दौर में चबूतरे पर व्यावसाय करने के लिए युवा तैयार नहीं हैं। इससे हर जोन में 25.25 लाख में बनवाए गए चबूतरे बनने के बाद से विरान पड़े हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि चबूतरे ओपन स्पेस में होने से यहां रोजी-रोटी कमाने के लिए लोगों को रोज दुकान सजाने और समेटने की अलग ससमस्या है, इसलिए युवा लेने को तैयार नहीं हैं।

टॉर्च जलाकर खोजने निकले युवाओं का भविष्य

रायपुर। नीट सहित अन्य परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों के विरोध में युवा कांग्रेस द्वारा मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। देर शाम टॉर्च लेकर युवा कांग्रेस युवाओं का भविष्य खोजने के लिए निकली। नगर निगम गार्डन से भाजपा कार्यालय तक टार्च मार्च उनके द्वारा किया गया। कार्यकर्ताओं ने नारे लगाते हुए प्रधानमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से इस्तीफा की मांग की। जो परिणाम आए हैं, उसे तत्काल रद्द करते हुए फिर से परीक्षा लेने की मांग भी युवा कांग्रेस ने रखी। यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में टार्च मार्च निकल गया। टॉर्च मार्च में महासचिव भावेश शुक्ला, आस मोहम्मद, जिलाध्यक्ष विनोद कश्यप, आशीष द्विवेदी, फहीम शेख, तुषार गुहा, आजाद वर्मा पलाश मल्होत्रा, लक्षित तिवारी सहित अन्य शामिल रहे।

देश का सबसे बड़ा स्कैम

यूथ कांग्रेस ने कहा, जिस प्रकार नीट की परीक्षा में गड़बड़ी देखी गई है, हमारा यह मानना है कि यह देश का सबसे बड़ा स्कैम साबित हो रहा है। इसमें केंद्र सरकार की संलिप्त है। जो पेपर लीक करा रहे हैं, उन्हें केंद्र सरकार का पूर्ण रूप से समर्थन है। देश के लाखों युवाओं का भविष्य आज अंधेरे में है। जिस परीक्षा से डॉक्टर और साइंटिस्ट बनते हैं, आज उस पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। केंद्र की मोदी सरकार शिक्षा नीति पर ध्यान नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री इतने बड़े मामले पर मौन व्रत लेकर बैठे हैं। शिक्षा मंत्री नैतिकता के आधार पर अपना इस्तीफा नहीं दे रहे हैं। कार्रवाई होने तक युवा कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा।

पैट सीटी की जांच अब तक अधूरी रिपोर्ट ने अटकाया अंतिम फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कैंसर के मरीजों की बीमारी का पता लगाने में उपयोग होने वाली पैट सीटी मशीन शुरू करने की जा रही जांच अब तक अधूरी है। रिपोर्ट तैयार नहीं होने की वजह से अब तक इसके उपयोग पर अंतिम फैसला नहीं हो पाया है। जांच रिपोर्ट नहीं बनने की वजह से मशीन की वास्तविक कंडीशन का पता नहीं लग पाया है।

विभागीय अफसरों से मंत्री ने मांगी थी रिपोर्ट

आंबेडकर अस्पताल के कैंसर विभाग में 18 करोड़ की लागत से खरीदी गई पैट सीटी मशीन का उपयोग शुरू करने के लिए मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को निर्देशित किया था। इसके लिए तीन माह के भीतर इससे संबंधित तमाम पहलुओं की जानकारी लेकर रिपोर्ट तैयार करने निर्देश दिए गए थे। सूत्रों के अनुसार काफी समय बीत जाने के बाद भी इस मामले की जांच अब तक पूरी नहीं हो पाई है। प्रकरण में इसकी खरीदी से लेकर अब तक की स्थिति का ब्योरा दिया जाना है। इस आधार पर यह फैसला लिया जाएगा कि इस मशीन का उपयोग कैसे किया जा सकता है। रिपोर्ट के आधार पर मिलने वाली प्रशासकीय स्वीकृति के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा लंबे समय से बिना उपयोग के रखी इस मशीन की कंडीशन के बारे में पता लगाने मशीन बनाने वाली कंपनी के इंजीनियरों को बुलाया जाएगा। इंजीनियर उसके चलने की स्थिति के साथ लाइफ के बारे में भी बता पाएंगे। सूत्रों का कहना है कि पूरा मामला प्रशासकीय स्वीकृति पर अटका है, जिसके मिलने के बाद ही मशीन की जांच सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जा सकती हैं।

पुरानी हो चुकी कई मशीन

आंबेडकर अस्पताल में मरीजों की जांच के लिए उपयोग की जाने वाली कई मशीन काफी पुरानी हो चुकी हैं। इनके उपयोग के दौरान कई बार बंद होने जैसी शिकायत मिलती रहती है। एमआरआई, सीटी स्कैन, एक्सरे सहित कई तरह की जरूरी जांच के लिए उपयोग होने वाली इन मशीनों को बदलने अथवा संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, मगर इस पर शासन स्तर पर प्रस्ताव लंबित है।

राजस्व प्रकरणों के लाखों मामले लंबित, भूमि स्वामी और किसान परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राजस्व के लाखों मामले में लंबित हैं। राजस्व विभाग में जमीन के सीमांकन, नामांतरण, बी-वन नक्शा-खसरा और बंटवारा जैसे काम समय पर नहीं हो पा रहे हैं, जिससे लोगों को महीनों चक्कर लगाने पड़ते हैं। सिटीजन चार्टर में इन कार्यों के लिए समय नियत होने के बाद भी समय पर काम नहीं हो रहे हैं। प्रदेश में अधिकतम 90 दिनों के भीतर होने वाले काम सालों से लंबित पड़े हैं। राजस्व प्रकरणों में पटवारी से लेकर राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार और एसडीएम स्तर के अधिकारियों द्वारा संबंधित लोगों से आवेदन लेने के बाद कार्यालय में इसके निराकरण में देर की जाती है।

प्रकरणों के निराकरण का समय तय, फिर भी नहीं हो रहा काम

राजस्व प्रकरणों के लिए सिटीजन चार्टर के अनुसार आवेदन मिलने के बाद समय तय किए गए हैं। इनमें प्रकरण सूची (राजस्व न्यायालय) 7 दिन, भुइयां से नकल, नान डिजिटाइज्ड नकल और न्यायालय आदेश प्रमाण पत्र 15 दिन, राजस्व सेवाएं (5 लाख से 25 लाख तक), राजस्व सेवाए कृषि भूमि/परिवर्तित आरबीसी 6(4), राहत सहायता प्राकृतिक आपदा, कृषि भूमि/परिवर्तित किसान किताब, कृषि भूमि/परिवर्तित नामांतरण और परिवर्तित सीमांकन के लिए 90 दिन का समय तय है। किसान और जमीन के मालिक इन प्रकरणों को लेकर तय समय के बाद भी चक्कर लगा रहे हैं। राज्य सरकार के निर्देश के बाद भी जिला स्तर पर यह मामला अटका रहता है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि राजस्व अमले द्वारा प्रकरणों पर निर्णय समय पर देने का प्रयास होता है। विवाद की स्थिति में कुछ मामले तय समय पर निराकृत नहीं हो पाते।

कुल प्रकरणों में लंबित मामले

राजस्व विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 20,18,953 कुल दर्ज प्रकरण में से 18,42,205 निराकृत, 1,76,748 मामले लंबित हैं। इनमें से 4,055 मामले 5 वर्ष,12,180 मामले 2 से 5 वर्ष से लंबित, 24,282 मामले 1 से 2 वर्ष से हैं लंबित पड़े हैं।

जिलों में दर्ज मामले

सरगुजा 9337,दुर्ग 9429, रायपुर 8942 ,बलौदाबाजार-भाटापारा 9050, बिलासपुर 7,999, सूरजपुर 7,845, रायगढ़ 7336, कोरबा 7161, राजनांदगांव 6499, बालोद 6049, जांजगीर-चांपा 5820,बलरामपुर-रामानुजगंज 5767, महासमुंद 5529, कबीरधाम 5253, जशपुर 5036, कांकेर 4058, धमतरी 3972, गरियाबंद 3802, मनेन्द्रगढ़-चिरिमिरी-भरतपुर 3730,गौरेला-पेंड्रा-मरवाही 3559, सुकमा 3521, कोंडागांव 3365, नारायणपुर 479, बस्तर 2923, मुंगेली 3099, सारंगढ़-बिलाईगढ़ 3080, बेमेतरा 3031, सक्ति 2851, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई 2402, दन्तेवाड़ा 2118, कोरिया 1870, बीजापुर 1280, मोहला-मानपुर-चौकी में 1374 मामले लंबित हैं।

सात महीने के बाद भी चिकित्सा छात्रों को वापस नहीं हुई पंजीयन राशि

रायपुर। पीजी और यूजी में प्रवेश के लिए पिछले साल की काउंसिलिंग में शामिल होने वाले कई पात्र चिकित्सा छात्रों को पंजीयन राशि वापस नहीं मिली है। लंबी प्रक्रिया के बाद भी जिनके खाते में रकम ट्रांसफर नहीं हुई है, ऐसे छात्रों से चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने फिर से विवरण मांगा है। शासकीय और निजी चिकित्सा महाविद्यालय में संचालित होने वाले स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों में प्रवेश के लिए हर साल बड़ी संख्या में लोग पंजीयन शुल्क जमा करते हैं। काउंसिलिंग पूरी होने के बाद ऐसे छात्र जो नियम का पालन करते हुए प्रवेश प्रक्रिया पूरी करते हैं, उन्हें प्रारंभ में जमा कराया गया पंजीयन शुल्क वापस कर दिया जाता है। पिछली बार इस प्रक्रिया में लेटलतीफी हुई और काउंसिलिंग के सात माह बाद भी कई छात्रों को उनका पंजीयन शुल्क वापस नहीं मिल पाया है।

शिक्षा संचालनालय से फिर से मांगा विवरण

निजी में दो लाख तक

काउंसिलिंग में शामिल होने निजी कालेजों के लिए पीजी पाठ्यक्रम में दो लाख और शासकीय कालेजों के लिए साढ़े 12 से 25 हजार रुपए पंजीयन शुल्क निर्धारित था। वहीं एमबीबीएस की काउंसिलिंग में निजी कालेजों के लिए एक लाख और शासकीय कालेजों के लिए पांच से दस हजार रुपए पंजीयन शुल्क (सुरक्षा निधि राशि) के रूप में जमा कराया गया था।

एमए छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन का सांकेतिक प्रदर्शन आज

रायपुर। एमए छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन के बैनर तले एक दिवसीय छत्तीसगढ़ी सांकेतिक प्रदर्शन राजधानी रायपुर के घड़ी चौक स्थित आंबेडकर प्रतिमा के आगे आयोजित किया जा रहा है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ऋतुराज साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ लोगों की जनभाषा/मातृभाषा छत्तीसगढ़ी है, जिसे 2007 मे संवैधानिक रूप से राजभाषा का दर्जा दिया जा चुका है, उसके बावजूद छत्तीसगढ़ी को वह सम्मान नहीं मिल पाया, जिसकी वो हकदार है। छत्तीसगढ़ में आज से स्कूल खुल रहे हैं, पर छत्तीसगढ़ी में फिर से पढ़ाई-लिखाई का उल्लेख नहीं है। सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत छत्तीसगढ़ी को लागू करने की बात कही थी, पर कहीं यह व्यवस्था नजर नहीं आ रही है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

बिजनेस साइट

बिलासा ब्लड सेंटर व एसबीएच हॉस्पिटल का विशाल रक्तदान शिविर

रायपुर। बिलासा ब्लड सेंटर व एसबीएच हॉस्पिटल के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान एसबीएच हॉस्पिटल के डायरेक्टर ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान के जरिए हम अनेक लोगों की जान बचा सकते हैं। बिलासा ब्लड सेंटर व एसबीएच हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में यह शिविर आयोजित किया गया।

हरिभूमि

रायपुर, बुधवार 26 जून 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

केरल की तर्ज पर बैंबू रिवर राफ्टिंग....

सिटी इवेंट

गर्भवती महिलाएं योग के जरिए खुद को रख सकती हैं दुरूस्त

रायपुर। मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए योग एवं गर्भ विधान पर विशेष कार्यशाला रखी गई। सोसाइटी ऑफ पेरिनेटोलॉजी एवं रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी का भी इसमें सहयोग रहा। इसका मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और रजोनिवृत्त महिलाओं के स्वास्थ्य को योग के माध्यम से बेहतर बनाना था। विशेष योग सत्र महिलाओं के लिए रखा गया, जिसे वरिष्ठ योग सलाहकार डॉ. लेकेश्वर प्रसाद साहू द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए योगासन सिखाए और उनके फायदे बताए। इस सत्र में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की और इसे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला बताया।

'गर्भ संवाद' पर विशेष व्याख्यान

इसके अलावा 'गर्भ संवाद' पर एक विशेष व्याख्यान भी रखा गया। इस व्याख्यान में गर्भधारण के समय से लेकर जन्म तक की प्रक्रिया और उसमें योग के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। यह व्याख्यान उपस्थित महिलाओं के लिए अत्यंत जानकारीपूर्ण और प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्रमुख डॉ. ज्योति जायसवाल के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ.अर्पणा वर्मा ने बताया, प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार को ओपीडी समय में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योग परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जिसमें गर्भवती महिलाओं को कौन-कौन से योग करने चाहिए, इसकी जानकारी दी जाती है।

कैंपस इवेंट

नारकोटिक्स ने रखी स्पर्धा बच्चों ने बनाए रोचक चित्र

रायपुर। डीडी नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में मंगलवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की आंचलिक इकाई रायपुर द्वारा 'नशा मुक्त भारत' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम रखा गया। नशे से दूर रहने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों के लिए कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अपेक्षाओं के अनुरूप अपनी कला की प्रस्तुति करते हुए छात्रों ने तरह-तरह के चित्र बनाए।

प्रथम स्थान पर जिया

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सहायक निदेशक में रविशंकर जोशी, अधीक्षक अनिल कुमार सहित ब्यूरो के अन्य अधिकारी गण तथा केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य सुजीत सक्सेना विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नशा मुक्ति एवं नशे के दुष्प्रभाव के संबंध में विद्यार्थियों एवं युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन किया। सभी उपस्थित सदस्यों को नशे से दूर रहने के लिए शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिनमें प्रथम स्थान जिया सिंह, द्वितीय स्थान अविका सिंह व तृतीय स्थान यशस्वी चौधरी ने प्राप्त किया।

लाइव इवेंट

वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति पर होगा मंथन

रायपुर। छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन के प्रथम वार्षिक सम्मेलन का आयोजन 28 और 29 जून को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागृह में किया जा रहा है। यह प्रथम वार्षिक सम्मेलन ''वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति'' विषय पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मेजबान छत्तीसगढ़ सहित देशभर के विद्वान, शोधार्थी, प्राध्यापकगण शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसियेशन की अध्यक्ष और अधिवेशन की समन्वयक प्रो. प्रीति शर्मा एवं एसोसिएशन के सचिव तथा अधिवेशन के आयोजन सचिव प्रो.एलएस गजपाल ने बताया, आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण पूरी दुनिया के देशों के विकास की प्रक्रिया में केंद्रीय मुद्दा है। आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से 28 और 29 जून 2024 को सीजीएसए अपना पहला वार्षिक सम्मेलन उक्त विषय पर आयोजित कर रहा है।

इन विषयों पर होगी चर्चा

इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य की जनजातियां, वैश्विक समाज में महिलाओं की बदलती स्थिति, आदिवासी महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव, आदिवासी महिलाओं के मुद्दे और चुनौतियां, बहुसंस्कृतिकवाद और आदिवासी महिलाएं, आदिवासी महिलाओं के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम जैसे विषयों पर भी शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे तथा विषय विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा सचिव प्रसन्ना आर. होंगे। सहित दुर्ग विवि की कुलपति डॉ.अरुणा पलटा, डॉ. अंशु केडिया, बीएचयू वाराणसी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्वेता प्रसाद, मध्यप्रदेश के प्रोफेसर डॉ.महेश शुक्ल सहित अन्य शामिल होंगे।

स्कूल खुलने से एक दिन पहले बाजार में रही रौनक, माता-पिता का हाथ थामे पहुंचे नौनिहाल

रंग-बिरंगे छाते व कार्टून कैरेक्टर प्रिंटेड रेनकोट प्लास्टिक की जगह स्टील के टिफिन व बॉटल

"स्कूल खुलने से पहले बाजार में मंगलवार को बच्चों के लिए जरूरी सामान खरीदने वालों की धमक रही। पहली बार स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्टेशनरी ही नहीं, कार्टून कैरेक्टर प्रिंट पानी बॉटल और टिफिन खरीदते हुए भी पालक नजर आए। बरसात को देखते हुए बच्चों के लिए छाते और रेनकोट खरीदने के लिए दुकानों में दिनभर पालकों की भीड़ रही।

रायपुर। पसंद के लिहाज से दुकानों में इस बार हर वर्ग के लिए अलग-अलग रेंज में जरूरी सामान उपलब्ध कराए गए हैं। पसंद की चीजें लेने पालकों और बच्चों को एक दुकान से दूसरे दुकान की दौड़ भी लगानी पड़ी। बाजार में छोटे बच्चों के लिए 8 काड़ी वाले दो फोल्डर में खुलने वाले आकर्षक डिजाइन वाले रंग-बिरंगे छातों को तैयार करने में पैराशूट कपड़े का इस्तेमाल किया गया है। एक दुकान संचालक विनोद ने बताया, इन छातों पर फूलों की छाप होने से छोटे बच्चे ही नहीं महिलाएं भी इसे पसंद कर रही हैं। बच्चे और मम्मी एक ही रंग और डिजाइन के छाते लेकर जा रहे हैं। इसके अलावा कार्टून कैरेक्टर, एनिमल प्रिंट्स और रंगीन पैटर्न वाले रेनकोट भी 200 से 250 की रेंज में हैं। बारिश के कारण बच्चे का स्वास्थ्य खराब ना हो जाए, इसे देखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले रेनकोट मार्केट में लाए गए हैं। विभिन्न आयु वर्ग के आधार पर इनके साइज भी अलग-अलग हैं।

गुलाबी रंग की चीजें सर्वाधिक

पानी बॉटल और टिफिन में भी कार्टून कैरेक्टर को आकर्षक तरीके से प्रिंट किया गया है। कई रंगों में इन्हें मार्केट में लाया गया है, लेकिन सर्वाधिक हरा, लाल, नीला और गुलाबी रंग ही चलन में है। इसमें भी लड़कियां गुलाबी रंग की चीजें पसंद कर रही हैं। लड़कियों के लिए बार्बी डॉल के प्रिंट वाली स्टेशनरी भी आई हुई हैं। लड़के हल्क, सुपरमैन और स्पाइडरमैन पर आधारित डिजाइन पसंद कर रहे हैं। इनमें बाहरी परत प्लास्टिक की होती है, लेकिन अंदर का मेटरियल स्टील का होता है। अन्य टिफिन की तुलना में ये अपेक्षाकृत महंगे हैं। इनकी शुरुआती कीमत 300 रुपए से है।

मंगाया गया मुंबई व कोलकाता से

एक दुकान संचालक परवेज ने बताया, इस बार एक ही बॉक्स में टिफिन और पानी बॉटल बच्चों के लिए खास तौर से दुकानों में सजाया गया है। मुंबई और कोलकाता से मंगाए गए पानी बॉटल में कई तरह के कार्टून किरदार प्रिंट हैं, इसलिए बच्चों को बहुत पसंद आ रहे हैं। इनकी कीमत 80 से 400 रूपए तक है। जो माता-पिता के बजट में भी फिट बैठती है। स्वास्थ्य को देखते हुए प्लास्टिक के स्थान पर स्टील के टिफिन पसंद किए जा रहे हैं। इसी तरह बॉटल भी स्टील के ही लेना पसंद कर रहे हैं। इसकी कीमत प्लास्टिक की तुलना में अधिक है, लेकिन इसे ही पैरेंट्स प्राथमिकता दे रहे हैं।

... ताकि सुरक्षित रहे बस्ता

अगर बारिश शुरू हो गई तो बच्चों को स्कूल पहुंचने में देरी न होने पाए पालक अब इसका भी ध्यान रखने लगे हैं। इसे देखते हुए वे बच्चों का बैग और उन्हें भिगने से बचाने के लिए खास तौर से तैयार किए गए रेनकोट को लोग खरीदना पसंद कर रहे हैं। वहीं रेनकोट के आकर्षक रंग और उनमें बनाए गए डिजाइन बच्चों को पसंद आ रहे हैं। पैराशूट कपड़े से तैयार रेनकोट में इस बार कार्टून भी प्रिंट होने से बच्चे खरीदने के लिए जिद भी करते नजर आए। बजट में मिलने से लोग बस्तों के लिए भी रेनकोट खरीद रहे हैं।

स्कूल चलें हम...

एनआईटी में बहु-विषयक शोध सम्मेलन पीएचडी स्कॉलर्स ले रहे हैं हिस्सा

शोध के लिए दूसरों का कंटेट ना करें चोरी गलत डाटा लेने से भी प्रभावित होता है रिसर्च

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में 25 जून से तीन दिवसीय तीसरे रिसर्च स्कॉलर कॉन्क्लेव 2024 का आरंभ हुआ। 25 से 27 जून तक चलने वाला यह कार्यक्रम एक बहु-विषयक शोध सम्मेलन है, जो केवल संस्थान के पीएचडी स्कॉलर्स के लिए आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव की विशिष्ट उपस्थिति रही। शोध प्रकाशन और नैतिकता पर मुख्य व्याख्यान सत्र उनके द्वारा दिया गया। उन्होंने स्कोपस-इंडेक्स्ड जर्नल में लेखन और प्रकाशन की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की एवं इसमें शामिल कठोर प्रक्रिया का विस्तृत विवरण दिया।

शोध पेश करेंगे स्कॉलर्स

कॉन्क्लेव में संस्थान के स्कॉलर्स अपना शोध प्रस्तुत करेंगे। इसमें विभिन्न विषयों से संबंधित शोध शामिल हैं। शोधकर्ताओं को शोध की बारीकियों के साथ ही इसके एथिक्स और बेहतर बनाने के तरीके भी बताए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. पी. वाई. ढेकने, डीन (संकाय कल्याण) डॉ. डी. सान्याल, प्रमुख, सीडीसी, डॉ. समीर बाजपेयी, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और स्कोलर्स उपस्थित रहे।

इसके अलावा उन्होंने शोध के नियमों और इस दौरान होने वाली गलतियों पर चर्चा की और साथ ही इन गलतियों से बचने के तरीके पर सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्लेगिज्म अर्थात दूसरों का कंटेंट कॉपी नहीं करना चाहिए और गलत डाटा नहीं लेना चाहिए। साथ ही डाटा को तोड़ मरोड़ कर प्रयोग में नहीं लाना चाहिए। डॉ. राव ने शोध और प्रकाशन में नैतिक मानकों का पालन करने के महत्व को भी समझाया। शोध की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

अनुचित लेखन भी है मुद्दा

केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धर्मपाल ने शोध और अकादमिक लेखन कौशल के लिए जिम्मेदार आचरण पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्व पर चर्चा की और डेटा फेब्रिकेशन, प्लेगिज्म और अनुचित लेखन जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला। डॉ. पाल ने अकादमिक लेखन कौशल को भी संबोधित किया, जिसमें पैराफ्रेसिंग, सारांश लेखन और क्वोटिंग जैसी तकनीकों पर जोर दिया गया। डॉ. प्रभात दीवान ने बताया कि इस बार 246 एबस्ट्रेक्ट प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक सम्मेलन के लिए निर्धारित उच्च मानकों को पूरा करता है। अतिथियों द्वारा एबस्ट्रेक्ट बुक का विमोचन भी किया गया।

महिलाएं एकत्र कर रहीं आम की गुठलियां, बनाएंगे पेड़

रायपुर। रोटरी कॉस्मो द्वारा मिशन मैंगो चलाया जा रहा है। समूह की महिलाओं ने कहा, हमने आम खाने के बाद आम के बीज इकट्ठा करने का काम शुरू किया है। आमतौर पर हम इन बीजों को फेंक देते हैं, लेकिन अब इन बीजों का उपयोग पौधारोपण के लिए किया जा रहा है। अब तक हमने 6,000 पेड़ लगाए हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए रोजगार उत्पन्न करना और जमीन को हरा-भरा बनाना है। महिलाओं को रोटरी कॉस्मो की ओर से 21,000 रुपये का योगदान दिया गया है, जो उनके काम के प्रति एक छोटा सा आभार है। वे इसके लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रहे हैं। महिला सदस्यों ने कहा, हम सभी से अनुरोध करते हैं कि वे किसी भी प्रकार के बीज को कचरे में न फेंकें, बल्कि उन्हें अपने बगीचे में लगाएं या वहां फेंकें। जैसे कि जामुन, कटहल, आम, अमरूद आदि। इस पहल को अपनाएं और धरती को हरा-भरा बनाने में योगदान दें। इससे अपने आस-पास के पर्यावरण को सुधारने में मदद मिलेगी।

मंदिर में आरती-पूजन कर रहे पुजारी व सेवक, प्रभु का रख जा रहा विशेष ध्यान

कार्नर न्यूज

विश्राम कक्ष में वैद्य ने देखी नाड़ी, बताई गई औषधियों से बनाया गया काढ़ा, जगन्नाथ को लगा भोग, भक्तों को काढ़े का प्रसाद

रायपुर। स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ अधिक नहाने के कारण बीमार पड़ने पर गर्भगृह से विश्राम कक्ष में चले गए थे। तीन दिन बाद मंगलवार को वैद्य द्वारा बताई गई औषधियों का काढ़ा बनाकर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बलभद्र को अर्पित करने पुजारियों व सेवकों ने इसे तैयार किया। अभी बीमारी की वजह से उनकी पूजा एवं आरती भी पुजारी व सेवक ही सुबह-शाम कर रहे हैं। आस्थावान भक्तों को भगवान के दर्शन अभी नहीं मिलेंगे। इसके बाद भी लोग जैसे परिवार का कोई सदस्य बीमार होता है, तो उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए पहुंचते हैं, उसी तरह श्रद्धालु भी आना-जाना कर रहे हैं। 6 जुलाई तक सभी जगन्नाथ मंदिरों में भगवान को लगाए गए भोग स्वरुप काढ़ा ही श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में दिया जाएगा।

वैद्य द्वारा बताई औषधि बाजार से मंगाई

गायत्री नगर, टूरी हटरी और सदर बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिरों में सोमवार की शाम वैद्य ने नाड़ी देखने के बाद बाजार से औषधि लाने और उनका काढ़ा बनाने की विधि बताई थी। वहीं मंगलवार को बाजार से मंगाई गई औषधि का काढ़ा भगवान को बीमारी से राहत देने के लिए भोग स्वरूप लगाना शुरू किया गया है। वैद्य के मार्गदर्शन में जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र को सुबह और शाम को बेल छाल, सोनापाठा, गम्भारी, पाटला औषधि चढ़ाया गया। मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद की जगह काढ़ा दिया गया। यह उपचार रथयात्रा के एक दिन पहले तक चलेगा।

विश्राम कक्ष में सेवक और पुजारी

गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष पुरन्दर मिश्रा ने बताया विश्राम कक्ष में अब केवल सेवक और पुजारी ही जाएंगे। अब मंदिर में दर्शन के भाव से नहीं बल्कि श्रद्धालु स्वास्थ्य जानकारी लेने के लिए आते-जाते रहते हैं। दर्शन नहीं होने के बाद भी मंदिर में श्रद्धालुओं का आना-जाना जारी है। उन्हें प्रसाद के रूप में काढ़ा दिया जा रहा है। अब रथ यात्रा के दिन ही भगवान भक्तों को दर्शन देंगे। इसके चलते अभी मंदिरों में परंपरा के तहत दो बार आरती व पूजा पुजारी या सेवक ही विश्राम कक्ष में करने की रस्म निभा रहे हैं।

... इसलिए भक्तों को नहीं देते दर्शन

पं.तिलक दास ने बताया, बीमार होने पर लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इस परंपरा के तहत ही स्नान पूर्णिमा के बाद से भगवान विश्राम कक्ष में चले जाते हैं। जिस प्रकार से अस्वस्थ होने से आमतौर पर लोग किसी से ज्यादा मेल-जोल रखने से बचते हैं। उसी तरह से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा भी एकांतवास में चले जाते हैं। पूरी तरह से ठीक होने के बाद वे देखने के लिए पहुंचे भक्तों को दर्शन देने के लिए रथ पर सवार होकर निकलते हैं। इस उपलक्ष्य में ही जगह-जगह रथयात्रा निकाली जाती है।

एजूकेशन लाइव

निर्धन छात्राओं के लिए अकाउंट्स गणित की निशुल्क कक्षा एक से

रायपुर। शिवानी स्मृति सेवा संस्थान द्वारा कक्षा नवमीं, दसवीं की छात्राओं के लिए निःशुल्क गणित की कोचिंग एक जुलाई से प्रारंभ की जा रही है। इसके अलावा कक्षा ग्यारहवीं, बारहवीं की छात्राओं के लिए अकाउंट्स की भी कक्षाएं प्रारंभ की जा रही हैं। संस्थान के अध्यक्ष मुकेश शाह ने बताया कि ये निःशुल्क कक्षाएं हिन्दी माध्यम की सरकारी स्कूल की छात्राओं के लिए प्रारंभ की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था करना है, जिनके अभिभावक उन्हें किसी कोचिंग में भेजने व फीस भरने में असमर्थ होते हैं। छात्राओं को विषय संबंधित अध्यापन कराने के साथ ही उनके डाउट्स क्लियर किए जाएंगे।

पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश

ये कक्षाएं पुरानी बस्ती स्थित वीर छत्रपति शिवाजी इंग्लिश मीडियम स्कूल में लगाई जाएंगी। इसमें प्रवश पहले आओ-पहले पाओ के आधर पर दिया जाएगा। प्रत्येक कक्षा में 25-25 विद्यार्थियों के लिए स्थान रखा गया है। संस्थान के अध्यक्ष मुकेश शाह ने बताया कि गत दो वर्षों से संस्थान द्वारा निर्धन विद्यार्थियों के लिए गणित की निःशुल्क कक्षाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें अब तक 130 विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा समर क्लासेस के अंतर्गत निर्धन विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क अंग्रेजी की भी कक्षाएं ली गई थी, जिसमें 80 विद्यार्थियों को अंग्रेजी की बेसिक व व्याकरण की जानकारी दी गई थी। आगामी गणित व अकाउंट्स की निशुल्क कक्षाओं में प्रवेश के लिए शिवाजी स्कूल में संपर्क किया जा सकता है।

समाज लाइव

सामूहिक जिम्मेदारी की भावना से छोटे-छोटे प्रयोग करें युवा

रायपुर। एक निजी सेमिनार हाल में 'प्योर' टीम द्वारा युवा लीडरशीप प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस प्रोग्राम में विभिन्न विद्यालय और विश्वविद्यालय के चुने हुए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मैट्स यूनिवर्सिटी की अन्नया चटर्जी और रविवि की पूजा सोनी ने संचालन किया। रविवि के बीएएलएलबी की छात्रा संस्कृति सिंह ने सामूहिक संवाद में अपने विचार बताते हुए कहा कि हम युवाओं को अपने कॅरियर के साथ सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को लेकर छोट-छोटे प्रयोग करने चाहिए। बीआईटी धनबाद से आये टेक्नोलॉजी स्टूडेंट हर्ष कश्यप ने सभी कॉलेज और विश्वविद्यालय में इस प्रकार के इंटरएक्टिव प्रोग्राम की जरूरत पर प्रकाश डाला। युवा उद्यमी हर्ष मटरानी ने लगातार सुधार के साथ उत्कृष्टता की आवश्यकता बताई।

असफलता से प्रारंभ होती है स्टार्टअप की राह

युवा छात्र निखिलेश चटर्जी, होनेशा ठाकुर, श्रेया ठाकुर और नवया चंद ने असफलता को सकारात्मक तरीके से लेने और इसके माध्यम से स्टार्टअप में सफलता प्राप्त करने की बात कही। कार्यक्रम में स्पीकर के रूप में डॉ.सत्यजीत साहू, सुनील शर्मा, डॉ.संगीता कौशिक, स्वाती देवांगन, सूरज दुबे, संजय चटर्जी, कमलेश चंद आपने वक्तव्य सबके सामने प्रस्तुत किए। युवा लीडरशीप ने भविष्य में सामाजिक सरोकारों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में किए जाने वाले 'दोस्त' और 'प्योर' टीम के सेवा अभियानों में भागीदारी का संकल्प लिया।

आराधना

तीर्थयात्रियों की मंगल कामना के लिए गणपति का चोला श्रृंगार

रायपुर। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ से श्रद्धालुओं का पहला जत्था अमरनाथ के लिए रवाना हो चुका है। उन्हें विदाई देने के लिए रेलवे स्टेशन में काफी लोग पहुंचे। दुर्ग-जम्मूतवी एक्सप्रेस के रवाना हुए करीब पांच सौ श्रद्धालु 29 जून की सुबह पांच बजे पवित्र गुफा तक पहुंचेंगे। श्री बाबा अमरनाथ सेवा समिति के मार्गदर्शन में यह जत्था रवाना हुआ। श्री बाबा अमरनाथ सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव एवं कार्यकारी अध्यक्ष प्रणय तिवारी ने बताया, श्रद्धालुओं को बाबा धाम जाने विदाई देने के लिए रेलवे स्टेशन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। उनके जयकारे से रेलवे स्टेशन गूंज उठा।

सड़क मार्ग से प्रारंभ होगी यात्रा

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ से रवाना होने वाला पहला जत्था बुधवार रात्रि जम्मू पहुंचेगा। गुरुवार विश्राम कर शुक्रवार को सड़क मार्ग एक दिवसीय यात्रा की शुरुआत होगी और 29 जून शनिवार को सुबह पांच बजे से मुख्य बैरियर पार कर पर्वत श्रृंखला से होते हुए पवित्र गुफा पहुंचकर बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों की मंगल कामना के लिए पिछले दिनों बूढ़ापारा के गणेश शिव साई मंदिर में भगवान गणपति का अभिषेक एवं चोला श्रृंगार किया गया था। उन्होंने बताया कि हर साल बढ़ी संख्या में छत्तीसगढ़ से बाबा अमरनाथ सेवा समिति के मार्गदर्शन में बाबा के दर्शन के लिए अमरनाथ जाते हैं।

● पर्यटन को बढ़ावा देने गंगरेल, तांदुला और सतरेंगा बांध को वॉटर स्पोर्ट्स के रूप में किया गया है डेवलप

केरल की तर्ज पर बैंबू रिवर राफ्टिंग, सतरेंगा में मिनी बोट पर पार्टी, परोस रहे आदिवासी व्यंजन

पर्यटन को बढ़ाने देने प्रदेश के चार बांध गंगरेल, तांदुला और सतरेंगा व कोडार को वॉटर स्पोर्ट्स के रूप में डेवलप किया गया है, जो अब यंगस्टर्स और बच्चों को काफी आकर्षित कर रहा है। मानसून सक्रिय होने के साथ ही यहां वॉटर एडवेंचर का लुत्फ उठाने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। पानी की लहरों में पर्यटक बोटिंग के साथ स्पीड बोट और वॉटर स्कूटर की राइडिंग करने बढ़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। चार बांधों में लोगों की पहली पसंद सतरेंगा बना हुआ है।

सालगिरह और जन्मदिन के लिए बुकिंग

हसदेव बांध के सतरेंगा क्षेत्र में पानी में बर्थडे या फिर शादी की सालगिरह को खास बनाने के लिए मिनी बोट बुक करवा रहे हैं। सतरेंगा में एक 10 सीट बोट भी है, जिसे कपल्स व दोस्तों का समुह सेलिब्रेशन के लिए बुक करवाते हैं। बांध में यह एक्टिविटी लोगों को नया एक्सपीरियंस दे रहा है। बड़ी संख्या में कपल्स यहां प्री-वेडिंग शूट के लिए भी पहुंचते हैं। यहां 500 से 2000 हजार तक वॉटर स्पोर्ट्स राइड कराई जाती है।

तांदुला में वॉटर एडवेंचर का रोमांच

रायपुर से 110 किलोमीटर दूर बालोद जिले में स्थित तांदुल क्षेत्र में बारिश के साथ सैलानियों की संख्या बढ़ने लगी है। यहां बांध ईको फ्रेंडली पार्क के साथ वाटर एडवेंचर का आनंद लेने युवाओं में क्रेज बढ़ रहा है। यहां 2 से लेकर 5 सीटर तक अलग-अलग स्पीड बोट उपलब्ध है, जिसमें 10 से लेकर 30 मिनट तक तेज रफ्तार में वॉटर एडवेंचर का लुत्फ उठा रहे हैं। समय-समय यहां वॉटर एक्टिविटी होती रहती है। संचालकों के मुताबिक, रायपुर व बिलासपुर के अलावा दुर्ग से बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। हर दिन 150 से अधिक लोग वॉटर स्पोर्ट्स राइड कर रहे हैं।

रायपुर। यहां वॉटर एक्टिविटी संग पर्यटकों के ठहरने और खाने-पीने भी व्यवस्था है। पर्यटक विभाग के मुताबिक, गर्मी में सर्वाधिक पर्यटक सतरेंगा पहुंचे हैं। इसकी खास वजह वॉटर स्पोर्ट्स है। यहां पांच वॉटर बोट है। पर्यटक बोटिंग के जरिए हसदेव बांध का भ्रमण कर रहे हैं। पर्यटन विभाग अन्य बांधों में भी बोट संस्था को अपग्रेड करेगा, ताकि समुद्र की तर्ज पर वॉटर स्पोर्ट्स का अनुभव मिल सके। गंगरेल और तांदुला बांध में भी प्री-मानसून के बाद सैलानियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। तांदूल में पर्यटक बढ़ाने से नए बोट भी मंगाए गए हैं।

रिवर राफ्टिंग के जरिए परिचित हो रहे जीवों से

बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने केरल की तर्ज पर बैंबू रिवर राफ्टिंग को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के कैलाश झील में बैंबू रिवर राफ्टिंग करने हर दिन 100 से अधिक लोग पहुंच रहे हैं। बारिश के दिनों में यह संख्या और बढ़ जाती है। घने जंगल और हरियाली के बीच राफ्टिंग कर जीव जंतु को आसानी से देखा जा सकता है। पर्यटन के लिए यहां 7 बैंबू राफ्ट बनाए गए हैं। राफ्टिंग के लिए बड़ी संख्या में लोग भी पहुंच रहे हैं। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में 12 महीने पर्यटकों की भीड़ रहती है। ईको-विकास समिति ने कयाकिंग एडवंचर्स के लिए प्रति व्यक्ति 100 रुपए का शुल्क निर्धारित किया है, जहां पर्यटक कयाकिंग का लुत्फ उठा सकेंगे। पर्यटकों के रुकने के लिए स्थानीय युवाओं के द्वारा होम स्टे का भी संचालन भी किया जा रहा है, यहां पर्यटक बस्तरिया व्यंजन के साथ-साथ आदिवासी कल्चर से भी परिचित होंगे।

माशिम ने मंगलवार को जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश

माशिम की दूसरी परीक्षा के लिए नहीं कर सकेंगे विषय परिवर्तन

सोमवार से प्रारंभ हुई पीएससी की मुख्य परीक्षा का मंगलवार को दूसरा दिन रहा। रायपुर में इसके लिए तीन केंद्र दानी गर्ल्स स्कूल, हिंदू हाई और पीजी उमाठे शासकीय कन्या विद्यालय में बनाए गए हैं।

रायपुर। *माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा अब वर्ष में दो बार 10वीं-12वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके लिए मंडल ने हेल्पलाइन नंबर प्रारंभ की है। अब इससे जुड़े दिशा-निर्देश भी मंडल द्वारा मंगलवार को जारी कर दिए गए हैं। मुख्य परीक्षा में पंजीकृत ऐसे समस्त विद्यार्थी जो पूरक श्रेणी है, अनुत्तीर्ण है अथवा उत्तीर्ण है, श्रेणी सुधार के लिए इस द्वितीय मुख्य परीक्षा में आवेदन कर सकते है। पहली परीक्षा को प्रथम मुख्य परीक्षा एवं दूसरी परीक्षा को द्वितीय मुख्य परीक्षा से संबोधित किया जाएगा। द्वितीय मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र भरना अनिवार्य होगा तथा वे छात्र ही आवेदन भर सकेंगे, जो प्रथम परीक्षा में पंजीकृत रहे हैं।*

... तो जारी नहीं होगी अंकसूची

प्रथम मुख्य परीक्षा में जिन परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम पूरक श्रेणी में रहा है, उन परीक्षार्थियों को पूरक प्राप्त सभी विषयों में आवेदन करना अनिवार्य होगा। ऐसे परीक्षार्थी अन्य विषयों में भी अंक सुधार हेतु आवेदन कर सकते हैं। अनुत्तीर्ण व अनुपस्थित परीक्षार्थी भी द्वितीय मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। यदि परीक्षार्थी द्वितीय मुख्य परीक्षा में कम अंक पाता है तो उस परिस्थिति में परीक्षार्थी के प्रथम मुख्य परीक्षा के अंक ही मान्य होंगे एवं उसे पुनः अंकसूची जारी नहीं की जाएगी।

बोनस अंक की पात्रता

परीक्षार्थी ने प्रथम मुख्य परीक्षा में जिन विषयों में परीक्षा आवेदन फॉर्म भरा है द्वितीय मुख्य परीक्षा में भी उन्हीं विषयों में सम्मिलित होने की पात्रता होगी किसी भी परिस्थिति में द्वितीय मुख्य परीक्षा में अपने विषयों में परिवर्तन नहीं कर सकता है। यदि परीक्षार्थी ने प्रथम मुख्य परीक्षा में अतिरिक्त विषय लिया है तो द्वितीय मुख्य परीक्षा में भी उसी विषय को अतिरिक्त विषय के रूप में लेकर सम्मिलित हो सकता है। यदि परीक्षार्थी को प्रथम मुख्य परीक्षा में बोनस अंक की पात्रता है तो द्वितीय मुख्य परीक्षा में भी बोनस अंक की पात्रता होगी।

बच्चों की पाठ्यसामग्री का खर्च उठाएगी मोहल्ला समिति, ग्रामीण क्षेत्रों में भी करेंगे पहल

रायपुर। स्कूल प्रवेश के पूर्व मंगलवार को आवासीय छात्रावास में रामसागरपारा की अग्रवाल मोहल्ला समिति ने जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण व खाद्य सामग्री बांटी। महिला मंडल अध्यक्ष माया मुरारका ने बताया कि सदस्यों द्वारा दैनिक उपयोगी सामान के साथ पढ़ाई से जुड़ी आवश्यक चीजों का वितरण किया, ताकि जरूरतमंद बच्चों को सहायता मिल सके। छात्रावास में सभी बच्चों को मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि किसी चीज की आवश्यकता होने पर मंडल के सदस्यों को शिक्षकों के माध्यम से बताएं। पढ़ाई से जुड़ी हर संभव मदद करने का प्रयास किया जाएगा। मोहल्ला समिति द्वारा शहर में हर दिन अलग-अलग गतिविधियां हो रही हैं, जिसमें समाज से बड़ी संख्या में युवा वर्ग शामिल हो रहे हैं।

प्रत्येक जिले में युवाओं का संगठन

महिला मंडल अध्यक्ष ने बताया कि शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद बच्चों की मदद करेंगे, ताकि पैसों के अभाव में शिक्षा प्रभावित न हो। हर जिले में युवाओं का संगठन बनाया गया है, जिसमें लोगों की मदद के लिए सदस्य पैसा एकत्र करते हैं। शिक्षण व खाद्य सामग्री के वितरण में महामंत्री ममता अग्रवाल सहित बॉबी जैन, ज्योत्सना अग्रवाल, शशि अग्रवाल, संजू अग्रवाल, संजय अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, सपना अग्रवाल, अंजू अग्रवाल सहित अन्य का सहयोग रहा। आवासीय बाल आश्रम के छात्रावास अधीक्षक संदीप तिर्की के अलावा मोहल्ला समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

कार्नर न्यूज

छत्तीसगढ़ के युवाओं की वॉइस की धमक डॉक्यूमेंट्री ही नहीं ओटीटी सीरीज में भी

छॉलीवुड ही नहीं बॉलीवुड में भी वॉइस एक्टिंग का बिखेर रहे जलवा, क्षेत्रीय भाषाओं में लीड रोल के लिए डबिंग का ऑफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवा वॉइस एक्टिंग का जलवा छॉलीवुड ही नहीं बॉलीवुड में भी बिखेर रहे हैं। वॉइस आर्टिस्ट को फिल्मों में अब किरदार भी मिलने लगे हैं। कई महिला वॉइस आर्टिस्ट भी हैं, जिन्हें कई भाषाओं में लीड रोल की डबिंग का मौका मिला है। आकाशवाणी से काम शुरु करने वाली पायल विशाल ने 8 साल पहले वॉइस एक्टिंग में पहचान बनाई। अभी मुंबई में रहने वाली महासमुंद की पायल ने बताया कि सीरियल, कॉर्टून और कई कैरेक्टर्स की हिंदी डबिंग, वॉइस ओवर रिकॉर्डिंग का काम छत्तीसगढ़ी फिल्मों व मायानगरी में भी किया है। साउथ इंडियन मूवी अलोन में तीन से चार महिलाओं को आवाज दिया। सीरियल गर्ल्स हॉस्टल में पात्र वल्लरी, जमुना बंधी संगीत से सीरियल में खलनायिका तान्या की डबिंग किया। छॉलीवुड में संजू की दुल्हनिया, नवा बिहान के कैरेक्टर्स की डबिंग किया है।

कई तरह की क्षेत्रीय भाषा में पारंगत

छत्तीसगढ़ी, ओड़िया, बंगाली और तेलगु मिलाकर करीब 200 से ज्यादा फिल्मों में बतौर वॉइस एक्टर एवं लीड रोड में एक्टिंग कर चुकी भाठागांव की शीतल दास साहू अभी मुंबई में हैं। उन्होंने बताया कि वॉइस एक्टर के तौर पर ही काम शुरू किया था। कई क्षेत्रीय भाषा में अच्छी पकड़ होने से काम भी आसानी से मिलते रहे। बाप बड़े न भैया सबले बड़े रुपइया, वैदेही, मया टू जैसी 80 से भी ज्यादा फिल्मों में एक्टिंग के साथ ही वॉइस एक्टिंग का भी अवसर मिला है। वॉइस ओवर के क्षेत्र में अभी शहर में 60 से ज्यादा युवा प्रशिक्षण भी ले रहे हैं।

पहले की तुलना में अधिक काम

शहर के सत्यम विहार में रहने वाले आरजे नमीत साहू ने वॉइस एक्टर के रूप में ही पहचान बनाई। इससे कई वेब सीरिज और सरकार के प्रोजेक्ट में भी काम करने का अवसर मिला। वे बताते हैं कि अब छत्तीसगढ़ में भी वॉइस आर्टिस्ट को काम मिलने लगा है। मैंने तो आरजे से करियर की शुरुआत की। इसके बाद हिन्दी, छत्तीसगढ़ी और अंग्रेजी में डबिंग करने से हर तरह के काम मिले। अक्षय कुमार के साथ सिरफिर में बतौर एक्टर काम करने का मौका मिला। छत्तीसगढ़ी मूवी माटी पुत्र में लीड रोड करने वाले कलाकारों की वॉइस एक्टिंग भी किया।

सिटी स्पोर्ट्स

छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की आमसभा में साल का कैलेंडर तय

रायपुर। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक आमसभा में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। आमसभा की अध्यक्षता रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा ने की। इस दौरान छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक प्रतियोगिता के आयोजन एवं राज्य में टेबल टेनिस के प्रचार एवं विकास पर विस्तृत चर्चा हुयी। बैठक में वार्षिक प्रतियोगिता का कैलेण्डर निर्धारित किया गया जिसमें प्रथम राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अगस्त में बिलासपुर, द्वितीय राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता तथा प्रथम मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह सितंबर में क्रमशः धमतरी एवं कोरबा, 22वीं छत्तीसगढ़ राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अक्टूबर में रायपुर, द्वितीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह नवंबर में रायपुर, राज्य पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह नवंबर में रायपुर, तृतीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह दिसंबर में रायपुर को आबंटित किया गया। इसके साथ ही पिछले वर्ष आयोजित राज्य प्रतियोगिता के सफल आयोजन करने पर धमतरी जिला टेबल टेनिस संघ को ₹प्रथम राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता₹ एवं सरगुजा जिला टेबल टेनिस संघ को ₹द्वितीय राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता₹ हेतु स्मृति चिन्ह दिया गया। मंच संचालन रायपुर महानगर टेबल टेनिस संघ सचिव शकील साजिद ने किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ल, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर जादवानी, उपाध्यक्ष अनिल पुसदकर, विनय बैसवाडे, गिरिराज बागड़ी, सचिव सार्थक शुक्ला, कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला एवं पदाधिकारीगण और जिला संघों के अध्यक्ष एवं सचिव आदि उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में राज्य के खिलाड़ियों का चयन

रायपुर। फ़ैडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा 63 वी नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 27 से 30 जून तक ताऊ देवी लाल स्टेडियम, पंचकुला (चंडीगढ़) मे होगा। जिसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चयन प्रक्रिया का आयोजन स्वामी विवेकानंद एथलेटिक्स स्टेडियम मे कराया गया।जिसमे 100 मी., 200 मी, 400 मी, 800 मी, 1500 मी, 5000 मी, 10000 मी, बाधा दौड़, स्टीपल चेस, पोल वाल्ट, ऊंची कूद, लंबी कूद, ट्रिपल जंप, शॉटपुट, भालाफेक, तवा फेक, 20000 मी आदि इवेन्ट (महिला/पुरुष) हुआ। जिसमे छत्तीसगढ़ के लगभग सभी जिलो से 200 से अधिक खिलाडियों (बालक/बालिका) ने भाग लिया। प्रतियोगिता मे एएफआई के मापदंडो के आधार पर छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ कि चयन समिति द्वारा 04 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियो मे वाई बालवर्धन राव का 100 मी रेस मे, तुफ़्फ़ी सुल्तान खान का शॉटपुट मे, संजीव रजक का 100 मी एवं 200 मी रेस में और शेखर तोमर 400 मी. का चयन हुआ।

बेसबॉल एमएलबी कप प्रतियोगिता मे बिलासपुर ब्रेवर्स का बेहतर प्रदर्शन

रायपुर। मेजर लीग बेसबॉल एमएलबी कप बेंगलुरु पदुकोण द्रविड़ क्रिकेट अकादमी में 19 से 24 जून तक बेंगलुरु सिटी में आयोजित हुआ। राउंड 2 मे प्री क्वाटर फइनल मैच तिरिच्ची एंजेल के साथ हुआ जिसमे बिलासपुर ब्रेवर्स के सभी खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर मैच को चौथे इनिंग के बॉटम मे 22 – 02 के बड़े स्कोर के साथ जीता और टीम क्वाटर फइनल मे पहुँची।क्वार्टर फाइनल मैच इंदापुर फिलिप्स के साथ खेला गया। सामने वाली टीम ने बिलासपुर ब्रेवर्स को कड़ी टक्कर देते हुये मैच को रोमांचक बना दिया। दोनो ही टीम ने पहले 6 इनिंग तक 9–9 रन मे मैच को ड्रॉ खेला। जिससे मैच मे इनिंग बढ़ाना पड़ा और 7 इनिंग मे फिर दोनो टीम इंदापुर फिलिप्स और बिलासपुर ब्रेवर्स ने 10–10 का स्कोर कर मैच को बराबर रखा। एक इनिंग और बढ़ाई गई लेकिन आखिरी इनिंग मे इंदापुर फिलिप्स ने 1 रन बनाने मे कामयाब हुई और बिलासपुर ब्रेवर्स रन नही बना पाई। जिसके वजह से मैच मे बिलासपुर ब्रेवर्स को 10–11 से हार का सामना करना पड़ा।अविराज पैकरा को पूरे टूर्नामनेंट के बेस्ट आउट फील्डर के अवार्ड से सम्मानित किया गया एवं बाकि बिलासपुर ब्रेवर्स के टीम से सभी खिलाड़ी आदित्य, अभीतेज,संदीप ,सोनाली ,आलोक ,सत्य प्रकाश, सुयश ,शान व परीधि मुक्तेश ने सभी मैचों मे अच्छा प्रदर्शन किया।

● शरीर में इनकी कमी से हो सकती कई दिक्कतें, रहें सावधान

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है मैग्नीशियम पोटेशियम और सोडियम में संतुलन बनाना

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए जरूरी है कि आपका आहार ऐसा हो जिससे आवश्यक तत्वों की आसानी से पूर्ति की जा सके। आमतौर पर हम सभी विटामिन सी-डी, प्रोटीन और आयरन की जरूरतों के बारे में तो बात करते हैं और इसकी पूर्ति के लिए प्रयास भी करते रहते हैं। पर क्या आप जानते हैं, इसी तरह से हमें रोजाना मैग्नीशियम, पोटेशियम और सोडियम की भी आवश्यकता होती है। ये माइक्रोन्यूट्रिएंट्स आपको कई गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाने में मदद कर सकते हैं। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की हमारे शरीर को कम मात्रा में जरूरत होती है, पर इनके कार्य बहुत महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं जिन लोगों को आहार से मैग्नीशिम, पोटेशियम और सोडियम जैसे अति आवश्यक तत्व नहीं मिल पाते हैं और शरीर में इसकी कमी हो जाती है उनमें कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है।

पोटेशियम क्यों जरूरी है?

पोटेशियम हमारे शरीर के लिए आवश्यक खनिज है। यह मांसपेशियों के संकुचन को नियंत्रित करने, तंत्रिका कार्यों को बेहतर बनाए रखने के साथ शरीर में द्रव के स्तर को संतुलन ठीक रखने के लिए जरूरी है। अध्ययनों से पता चलता है कि अधिकांश वयस्कों को आहार के माध्यम से शरीर के लिए आवश्यक मात्रा में पोटेशियम नहीं मिल पाता है। आइए जानते है कि पोटेशियम की कमी के कारण किस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं? पोटेशियम की कमी के सामान्य लक्षणों में आपको कमजोरी और थकान, मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द, झुनझुनी और सुन्नता, दिल की धड़कन बढ़ने, सांस लेने में कठिनाई, पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा हो सकता है।

मैग्नीशियम क्यों जरूरी है?

मैग्नीशियम शरीर में कई प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें मांसपेशियों और तंत्रिका के कार्य, रक्त शर्करा के स्तर और रक्तचाप को नियंत्रित करना शामिल है। प्रोटीन, हड्डी और डीएनए के निर्माण के लिए भी हमें निरंतर इस पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। मैग्नीशियम की कमी से हाइपोकैल्सीमिया (कैल्शियम की कमी) और हृदय-तंत्रिका संबंधी लक्षण हो सकते हैं। मैग्नीशियम की कमी के इन संकेतों पर ध्यान देते रहना जरूरी है। मूख न लगना मतली और उल्टी महसूस होना। मांसपेशियों में ऐंठन महसूस होना हृदय गति का कम या ज्यादा होना। पोटेशियम भी बहुत जरूरी।

सोडियम की कमी भी खतरनाक

सोडियम की अधिकता के कारण हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों के जोखिमों के बारे में आपने भी जरूर सुना होगा। पर क्या आप जानते हैं कि इसकी कमी और भी खतरनाक समस्याओं का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, सोडियम आवश्यक पोषक तत्व है जो शरीर में द्रव और इलेक्ट्रोलाइट के संतुलन के साथ रक्तचाप को ठीक रखने के लिए जरूरी है। अगर आपके शरीर में सोडियम की कमी हो जाए तो इसके गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभाव हो सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या, जिसके कारण आपको चक्कर आने थकान की समस्या हो सकती है।

रात की बची रोटी से बनाएं बेहद जायकेदार पकवान

आपको ऐसे पकवानों के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें आप रात की बची रोटी से बना सकते हैं। हालांकि इन पकवानों को बनाने के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी।

समोसा : नाश्ते के वक्त आप अपने परिवारवालों को बची हुई रोटियों से समोसा तैयार करके खिला सकती हैं। चाहें तो इन समोसों को एयरफ्राई करें, ताकि रोटी में तेल ज्यादा न भरे और ये खाने में स्वादिष्ट लगे। रोटी से तैयार समोसों को खट्टी और मीठी चटनी के साथ परोस कर परिवारवालों का दिल जीतें।

पिज्जा : शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे पिज्जा खाना पसंद नहीं होगा। पिज्जा बेस भी रोटी की तरह ही होता है। ऐसे में आप दो रोटियों को लेकर उसे बेस की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। दोनों रोटियों के बीच चीज रखकर पहले इसे चिपकाएं और फिर साधारण पिज्जा की तरह ही इसे तैयार करें।

रैप: बच्चों को इस तरह का रैप खाना बेहद पसंद आता है। बाजार में ये आपको 200 से 300 रुपये में मिलेगा। ऐसे में आप इसे घर पर ही रात की बची रोटी से भी तैयार कर सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसी के चलते बिना देर किए हुए घर पर स्वादिष्ट रैप तैयार करें। इसमें अपने पसंदीदा सब्जियां आप भर सकते हैं।

नूडल्स : अगर आपके पास रोटियां काफी ज्यादा बच गइ हैं तो उन्हें बारीक-बारीक नूडल्स की तरह काट लें। काटने के बाद इसे ठीक उसी तरह से पकाएं, जैसे आप नूडल्स बनाती हैं। बस ध्यान रखें कि रोटी के नूडल्स बनाते समय आप इसे उबाल नहीं सकतीं। उबालने की वजह से रोटी खराब हो जाएगी। ऐसे में बस रोटी को बारीक काटकर उसे सब्जियों और मसालों के साथ फ्राई कर लें।

कौन से दीये से करनी चाहिए सुबह-शाम आरती?

आरती से जुड़े कुछ नियम भी शास्त्रों में उल्लेखित हैं जिनका पालन आवश्यक माना गया है। इन्हीं नियमों में से एक है आरती के दीपक से जुड़ा हुआ। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स बताते हैं कि भगवान की आरती करने से पहले किस तरह के दीपक का इस्तेमाल करना चाहिए।

भगवान की आरती के लिए कैसा दीपक लें?

भगवान की आरती करने के लिए एक मुखी दीपक का इस्तेमाल करें। एक मुखी दीपक से भगवान की आरती करने से सभी प्रकार के दोषों का अंत होता है और घर में दैवीय ऊर्जा का वास होता है।

इसके अलावा, धातु की बात करें तो एक मुखी दीपक पीतल धातु का होना चाहिए। घर में स्थापित भगवान की आरती कभी भी मिट्टी के दीपक से नहीं की जाती है और न ही तांबा के दीये का प्रयोग करना चाहिए।

भगवान की आरती करते समय पीतल के गोल दीपक को चुनें। भगवान की आरती कभी भी लंबे दीपक से नहीं की जाती है। पीतल का दीया गोल होना चाहिए और साथ ही, बत्ती भी गोल ही होनी चाहिए।

भगवान की आरती में कुछ लोग तेल का इस्तेमाल करते हैं, जबकि घर में स्थापित देवी या देवता की आरती के लिए हमेशा घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे ग्रह और वास्तु दोष शीघ्रता से दूर होता है।

भगवान की आरती के समय कभी भी अगरबत्ती, मोमबत्ती या किसी दूसरे दीये से आरती का दीपक नहीं जलाना चाहिए। इससे घर में अशुभता आती है। आरती के दीये को हमेशा माचिस से ही जलाएं।

बच्चे को संस्कारी बनाने अपने व्यवहार में शामिल करें कुछ बातें

कहते हैं हर बच्चे का पहला स्कूल उसका घर ही होता है। बच्चा वही सीखता है, जो उसे घर में देखने को मिलता है। यही वजह है कि लोग अपने बच्चे के सामने काफी सोच-समझ के बोलते हैं। बच्चे के सामने कुछ काम करने से पहले भी कई बार सोचना पड़ता है। खासतौर पर बात करें बच्चे के माता-पिता की, तो हर बच्चा वो सब करता है, जो वो अपने माता-पिता को करते देखता है।

यही वजह है कि बड़े-बुजुर्ग ये सलाह देते हैं कि बच्चों के सामने माता-पिता को बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बच्चा अच्छी आदतें सीखे तो सबसे पहले अपने व्यवहार में कुछ चीजों को जरूर शामिल करें। जब आप अपने व्यवहार में कुछ अच्छी आदतों को शामिल कर लेंगे तो इससे आपका बच्चा भी वही आदतें सीखेगा और अच्छे संस्कारों के साथ ही बड़ा होगा।

रहें दयालु: अपने बच्चे के सामने कभी किसी से हावी न हों। बच्चों के सामने दूसरों पर दयालू रहें, ताकि आपके बच्चे

में भी ये आदत आ सके। उन्हें सिखाएं कि अगर किसी से कोई गलती भी हो गई है तो उसे माफ करें। माफ करने वाला हमेशा बड़ा होता है। अपने बच्चे को लोगों की मदद करना भी सिखाएं।

शेयरिंग है जरूरी

अपने बच्चे के सामने परिवार के लोगों के साथ चीजों को शेयर करें, ताकि उन्हें भी शेयरिंग की आदत लगे। अगर आप ही ऐसा नहीं करेंगे, तो इससे उनके ऊपर भी खराब असर पड़ सकता है। ऐसे में अपने बच्चे को शेयरिंग जरूर सिखाएं, जिससे उन्हें स्कूल जाकर किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

भावनाओं को करें नियंत्रित

बच्चे को उनकी भावनाओं पर नियंत्रिण करना सिखाएं। इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि उन्हें हर चीज पर कंट्रोल करना सिखाएं। बस आपको अपने बच्चे को ये एहसास दिलाना है कि भावनाओं को प्रकट करने के लिए सही जगह देखना बेहद जरूरी होता है।

दूसरों की बात सुनें

बच्चे के सामने हमेशा दूसरों की बात अच्छे से सुनें, ताकि उसे भी ऐसा करने की आदत पड़े। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपका बच्चा सिर्फ अपनी कहेगा लेकिन सुनेगा किसी की नहीं। ये आदत काफी खराब होती है। इससे उसे जिद की आदत लग सकती है।

दूसरों का आभार प्रकट करें

यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा हर किसी से अच्छे से पेश आए तो उसके सामने लोगों का आभार जरूर प्रकट करें। अगर किसी ने आपके साथ कुछ अच्छा किया है तो बिना कुछ सोचे बच्चे के सामने उसे धन्यवाद कहें। ताकि बच्चे को भी ये ध्यान रहे कि उसे भी ऐसा करना है।

कार्नर न्यूज

सांस से जुड़ी समस्याओं को नजर अंदाज करने से बचें

5 से 6 सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते आपका भी दम फूलने लगता है तो आपको इस स्थिति पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह गंभीर बीमारियों की तरफ इशारा करता है। सीढ़ियां चढ़ते वक्त अक्सर लोग थक जाते हैं। कई लोग सीढ़ी चढ़ने के बाद सांस फूलने की समस्या का सामना करते हैं। कुछ लोग तो दो चार सीढ़ी चढ़ने के बाद ही काफी देर तक हांफते रहते हैं, हालांकि कुछ देर आराम करने के बाद हम बिल्कुल नॉर्मल हो जाते हैं। अगर आपके साथ भी अक्सर यह समस्या होती है तो आपको इसे नजरअंदाज करने से बचना चाहिए क्यों कि यह कई तरह की मेडिकल कंडीशन की तरफ इशारा करता है। इस बारे में रेजिडेंट डॉ.अनामिका रॉय बता रही हैं विस्तार से।

सीढ़ियां चढ़ते वक्त फूलने लगती है सांस, ध्यान दें सेहत पर

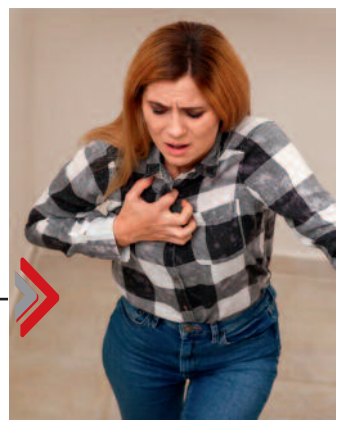

जिन लोगों का वजन बहुत ज्यादा रहता है उन्हें भी सीढ़ियां चढ़ते वक्त सांस फूलने की शिकायत हो सकती है। वजन बढ़ने से फेफड़ों की दीवार पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। इस वजह से सांस लेना मुश्किल हो जाता है।

क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पलमोनरी डिजीज के कारण भी यह समस्या होती है। दरअसल जो लोग बहुत ज्यादा धूम्रपान करते हैं उनके फेफड़े अंदर से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, इस वजह से सीढ़ियां चढ़ते वक्त सांस फूलती है। इसके अलावा जब आपके शरीर में खून की कमी होती है, तब भी आपकी सांस फूल सकती है। हीमोग्लोबिन की कमी की वजह से मसल्स और टिशूज तक ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है,जिसकी वजह से सांस उखड़ने लगती है।

सांस फूलने का कारण क्या हो सकता है?

सामान्य तौर पर, सांस फूलना आपके अंगों में ऑक्सीजन की कमी का परिणाम हो सकता है। कुछ विशेष स्वास्थ्य स्थितियाँ सांस फूलने का कारण हो सकती हैं, जैसेः मुंह, नाक या गले में वायुमार्ग की रुकावट, एलर्जी,चिंता या घबराहट के दौरे, छाती की दीवार का संपीड़न, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), हृदय संबंधी समस्याएं जैसे अतालता या हृदय गति रुकना,फेफड़ों में उच्च रक्तचाप, जिसे फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप के रूप में जाना जाता है

न्यूमोनिया आपके पर्यावरण की गुणवत्ता-जैसे धूल भरा वातावरण या अधिक ऊंचाई-के कारण भी आपको सांस लेने में कठिनाई हो सकती है या सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

सीढ़ियाँ चढ़ना कैसे आसान बनाएँ: अपनी कंडीशनिंग पर काम करने से सीढ़ियों पर चढ़ना आसान हो सकता है। यहाँ मदद करने के लिए तीन रणनीतियाँ दी गई हैं।

सीढ़ियाँ अधिक चढ़ें: अगर आप सीढ़ियाँ चढ़ने में बेहतर बनना चाहते हैं, तो इसका एक आसान उपाय हैः सीढ़ियों पर ज़्यादा बार चढ़ें। आपका शरीर जितना ज़्यादा अभ्यस्त

होगा, आप इस कौशल में उतने ही बेहतर होते जाएँगे। अधिक बार सीढ़ियां चढ़ने से आपकी मांसपेशियों की कार्यक्षमता बढ़ सकती है , जिससे अंततः उन्हें चलने के लिए कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होगी और कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न होगी।

आपको अधिक बार सांस लेने और छोड़ने की आवश्यकता नहीं होगी।: यदि आप अक्सर सीढ़ियों का सामना नहीं करते हैं, लेकिन जब आप उन पर चढ़ते हैं तो अच्छा महसूस करना चाहते हैं, तो स्टेयरमास्टर जैसे उपकरण का उपयोग करने पर विचार करें ।

अपने पैरों को मजबूत बनाएं: अपने निचले शरीर को मजबूत बनाना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि सीढ़ियाँ चढ़ने के लिए मांसपेशियों की ताकत की जरूरत होती है। सीढ़ियाँ चढ़ने में कई मांसपेशियों और ट्रिपल एक्सटेंशन की जरूरत होती है-कूल्हे, घुटने और टखने से जुड़ी हरकतें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

तीसरी बार शादी करने की तैयारी में हैं ब्रैड पिट, गर्लफ्रेंड को करेंगे प्रपोज

ब्रैड पिट जल्द ही अपनी प्रेमिका इनेस को शादी के लिए प्रपोज करने की तैयारी में हैं। मामला केवल इजहार तक ही नहीं सीमित नहीं है, बल्कि यह भी कहा जा रहा है कि वो इनेस के साथ बच्चे पैदा करके एक बार फिर से पिता बनने के लिए तैयार हैं। ब्रैड पिट हॉलीवुड के सबसे चर्चित अभिनेताओं में से एक हैं। वो अक्सर अपने नए काम और निजी जिंदगी के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। इन दिनों वो अपनी प्रेमिका की वजह से चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रैड पिट जल्द ही अपनी प्रेमिका इनेस को शादी के लिए प्रपोज करने की तैयारी में हैं। मामला केवल इजहार तक ही नहीं सीमित नहीं है, बल्कि यह भी कहा जा रहा है कि वो इनेस के साथ परिवार बनाना चाहते हैं और बच्चे पैदा करके एक बार फिर से पिता बनने के लिए तैयार हैं। ब्रैड पिट ने दो शादी की थी और दोनों ही टूट चुकी हैं। उन्होंने जेनिफर एनिस्टन से पहली शादी की थी, जो साल 2000 से 2005 तक चली थी। कई साल बाद 2014 में ब्रैड पिट ने मशहूर अभिनेत्री एंजेलिना जोली के साथ दूसरी शादी की थी। दोनों ने मिस्टर एंड मिसेज स्मिथ फिल्म में साथ में काम किया था, जो साल 2004 में रिलीज हुई थी। दोनों के रिश्ते उस वक्त बेहद खराब मोड़ पर आ गए थे, जब

टालीवुड

'केजीएफ' की अभिनेत्री के साथ रोमांस करेंगे राणा दग्गुबाती

साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ब्रेक लेने के बाद अब कई फिल्मों के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। उन्हें फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाते हुए देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं। वे निर्देशक तेजा के साथ मिलकर अब अपनी नई फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका शीर्षक 'राक्षस राजा' है। इसके अलावा राणा दग्गुबाती अर्का मीडिया वर्क्स के बैनर तले 'बाहुबली' के निर्माता शोबू यारलागड्डा और प्रसाद देवीनेनी के साथ एक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं, जिससे जुड़ी कई दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं। 'बाहुबली' के निर्माताओं के साथ जिस फिल्म पर राणा काम कर रहे हैं, फिलहाल उसका शीर्षक तय नहीं किया गया है और न ही फिल्म को लेकर आधिकारिक घोषणा की गई है। हालांकि, फिल्म के निर्देशक और मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के बारे में जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस अनाम फिल्म का निर्देशक एक नए निर्देशक कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में करियर की शुरुआत करेंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। इसके साथ ही रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में 'केजीएफ' की अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी मुख्य भूमिका में होंगी। हालांकि, प्रोडक्शन हाउस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह श्रीनिधि की पहली प्रत्यक्ष तेलुगु परियोजना है। फिल्म के बारे में आधिकारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी। इस परियोजना में कई शीर्ष तकनीशियनों की भागीदारी होगी।

भोजपुरी

निम्बू खरबूजा भईल.. खेसारी ने सपना संग काटा गदर

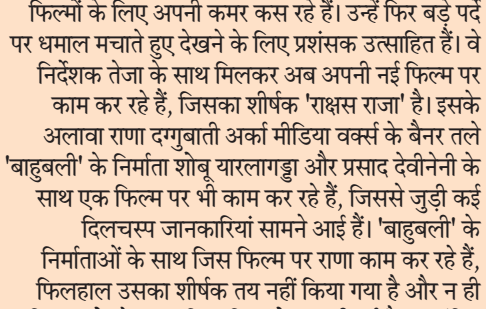

खेसारी लाल यादव का कोई जवाब नहीं। वह एक्टिंग ही नहीं बल्कि गाने में भी लाजवाब हैं। उनके गाने रिलीज होते ही यूट्यूब पर छा जाते हैं और करोड़ों बार देखे जाते हैं। तभी तो खेसारी लाल यादव भोजपुरी सिनेमा के टॉप स्टार्स में से एक हैं और करोड़ों में कमाई करते हैं। खेसारी सिर्फ एक्टर और सिंगर ही नहीं, बल्कि कमाल के डांसर भी हैं और यह बात उनके गानों को देखकर साबित भी हो जाती है। रानी चटर्जी से लेकर काजल अग्रवाल और यहां तक कि आम्रपाली दुबे के साथ भी खेसारी अपने डांस का जौहर दिखा चुके हैं। यहां ऐसे ही एक गाने का वीडियो छा गया, जिसमें खेसारी ने सपना चौहान के साथ आग लगा दी है। 'निम्बू खरबूजा भईल 2' लिरिक्स वाला यह गाना 'वेस्ट भोजपुरी' के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है और काफी पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो को 11 दिसंबर 2023 में अपलोड किया गया था, पर इस साल के टॉप भोजपुरी गानों में अपनी जगह बनाए हुए है। इस गाने को मात्र 6 महीनों में ही 288 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं और खूब पसंद कर रहे हैं। 'निम्बू खरबूजा भईल 2' इसी नाम की एल्बम का है, और इसके लिरिक्स कृष्णा बेदर्दी ने लिखे हैं। वहीं म्यूजिक आर्या शर्मा ने दिया है। इस गाने को खेसारी लाल यादव और करिश्मा कक्कड़ ने गाया है।

बर्लिन का जादू

लाइफ स्टाइल

इस साल के बर्लिन फैशन वीक ने यूरोपीय फैशन परिदृश्य को जर्मन की राजधानी में ला खड़ा किया। चार दिनों में, उभरते और स्थापित दोनों ही तरह के ब्रांडों ने कुल 32 इवेंट में अपने कलेक्शन पेश किए। इनमें अंतरंग प्रस्तुतियों से लेकर बर्लिन के परिदृश्य की विशेषता वाले शानदार कैटवॉक शो शामिल थे। यहां जैसे-जैसे मॉडल रनवे पर आगे बढ़े, उन्होंने अपने हर कदम पर जिंदादिली दिखाई, दिलचस्प डिजाइन वाले परिधान पेश किए।

मानसून के मौसम में फ्रिजी बालों का इन तरीकों से रखें ध्यान

बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा बालों की समस्या होने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में बालों में नमी ज्यादा हो जाती है। इससे बाल चिपचिपे और रूखे दिखने लगते हैं। कई सारे लोग तो इस मौसम में हेयर स्पा भी करवाते हैं, ताकि बाल हेल्दी रहें। लेकिन इसका असर भी कुछ ही समय के लिए रहता है। इसके बाद बाल दोबारा से फ्रिजी होने लगते हैं। अगर आपके साथ भी यही समस्या होती है, तो इसके लिए जरूरी है कि आप सही चीजों का इस्तेमाल सही तरीके से करें। इससे बाल हेल्दी नजर आएंगे।

सही हेयर प्रोडक्ट को चूज करें

बारिश के मौसम में बालों को हेल्दी रखने के लिए ऐसे शैम्पू और कंडीशनर चुनें जिनमें हाइड्रेटिंग इंग्रीडिएंट्स हों जैसे कि एलोवेरा, नारियल तेल, या शीया बटर हो, यह बालों को हाइड्रेट करने और ड्राई होने की समस्या को कम करने में मदद करते हैं। लेकिन अगर आप अपने बालों में हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल ज्यादा करती हैं, तो इसके लिए जरूरी है कि आप सीरम लगाना न भूलें।

बालों को सही तरीके से करें वॉश

बालों को बारिश के मौसम में वॉश करना जरूरी होता है। लेकिन इन्हें कभी भी गर्म पानी से वॉश न करें। वहीं इसे हफ्ते में 2 बार ही वॉश करें। इससे ज्यादा वॉश करेंगी तो इससे बाल ड्राई हो जाएंगे। जब भी आप बाल वॉश करें तो इसे नेचुरली सूखने दें, ताकि इससे आपके बाल कम झड़े। इसके साथ ही, आपको बाल धोने के बाद एकदम कंघी नहीं करनी चाहिए। इससे बाल ज्यादा झड़ते हैं।

बालों में करें घरेलू चीजों का इस्तेमाल

अगर आप बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट के इस्तेमाल से थक गई हैं। लेकिन इसके बाद भी बाल सही नहीं हो रहे हैं, तो इसके लिए आप घरेलू चीजों का इस्तेमाल करें। इससे फ्रिजी बाल स्मूथ और शाइनी नजर आएंगे। इसके लिए आपको एलोवेरा जेल, दही, नारियल का तेल और जैतून के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बारिश का मौसम शुरू होने से पहले ही आपको इन रूटीन को फॉलो करना शुरू कर देना चाहिए। इससे आपके बाल हेल्दी रहेंगे। साथ ही, बारिश के मौसम में कम झड़ेंगे। आप चाहें, तो इसके लिए एक्सपर्ट की सलाह लें, ताकि सही चीजों का इस्तेमाल आप बालों में कर पाएं।

बेस्ट हैं स्लीवलेस सलवार-सूट भा जाएंगे लेटेस्ट डिजाइंस

फैशन

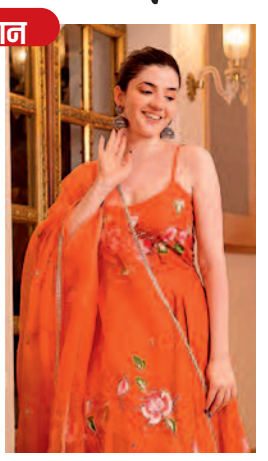

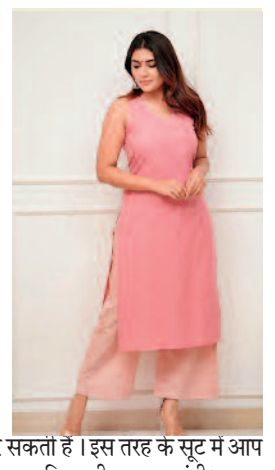

मौसम करवटें बदल रहा है। गर्मी अपने शबाब पर है और मानसून की दस्तक हो चुकी है। ऐसे में कुछ लेटेस्ट डिजाइंस स्लीवलेस सलवार-सूट वियर कर सकती हैं। इस सीजन में महिलाएं एक ऐसा आउटफिट पहनना पसंद करती हैं जिसमें वो कंफर्टेबल रहे साथ ही इस आउटफिट में वो स्टाइलिश भी नजर आए। वहीं अगर आप इस सीजन में सूट पहनने का सोच रही है तो आप इस तरह के स्लीवलेस सलवार-सूट वियर कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आप जहां कंफर्टेबल रहेंगी तो वहीं आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी।

फ्लोरल प्रिंट सूट

इन दिनों फ्लोरल प्रिंट सलवार-सूट काफी ट्रेंड में हैं। इस तरह के सूट में जहां आप स्टाइलिश नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा। स्टाइलिश लुक के लिए आप इस तरह का सलवार-सूट वियर कर सकती हैं। यह सूट वी-नेक स्टाइल में हैं साथ ही इस सूट में में थ्रेड वर्क किया हुआ हैं। वहीं इस सूट में अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए आप फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं साथ ही झुमके इस आउटफिट के साथ परफेक्ट रहेंगे। वहीं इस सूट में आप बाजार और ऑनलाइन दोनों ही जगहों से 1000 से कम कीमत में खरीद सकती हैं।

हैंड प्रिंटेड साटन सूट

अगर आप रॉयल चाहती हैं तो आप इस तरह के सूट का भी चुनाव कर सकती है। यह सूट जहां स्लीवलेस है तो वहीं अम्ब्रेला पैटर्न में हैं साथ ही हैंड प्रिंटेड डिजाइन बनाया गया है। वहीं इस तरह के सूट को आप किसी खास इवेंट में पहन सकती हैं साथ ही ऑफिस पार्टी में भी आप इस तरह का सूट वियर करके जा सकती हैं। इस सूट के साथ फुटवियर में आप हील्स या फिर मोजरी पहन सकती हैं साथ ही पर्ल इयररिंग्स इस आउटफिट के परफेक्ट रहेंगी। वहीं इस सूट को आप ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आप इस सूट को 1000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

खूबसूरती में लग जाएंगे चार चांद अगर साड़ी के साथ स्टाइल करेंगी ये नेकलेस

नेकलेस आपके आउटफिट को कंप्लीट करने का काम करता है और अगर आप साड़ी वियर कर रही हैं तो इसके साथ स्टाइलिश लुक के आप नेकलेस पहनना जरुरी हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस के नेकलेस दिखाएंगे जिन्हें आप साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। वहीं इस तरह के नेकलेस जहां आपके लुक को कंप्लीट करने में मदद करेंगे तो वहीं आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी। अगर आप रॉयल लुक चाहती हैं तो आप इस तरह चोकर अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। यह चोकर गोल्डन कलर में है और इन दिनों ये चोकर काफी ट्रेंड में हैं।

कुंदन चोकर

अगर आप लाइट कलर की साड़ी वियर कर रही हैं या फिर अपने आउटफिट के साथ सिंपल नेकलेस पहनना चाहती हैं तो आप इस तरह का कुंदन चोकर वियर कर सकती हैं। इस कुंदन चोकर में मोती हैं साथ ही इसमें झुमके स्टाइल में मोती लगाए गए हैं। वहीं इस तरह के

कुंदन चोकर को आप ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आपको ये कुंदन चोकर 400 तक की कीमत में मिल जाएगा।

रजवाड़ी चोकर

रजवाड़ी चोकर भी आप साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। अगर अप रॉयल लुक चाहती हैं तो साड़ी के साथ वियर करने के लिए ये रजवाड़ी चोकर बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस चोकर में स्टोन वर्क किया हुआ साथ ही इसमें झुमके स्टाइल में घुंगरू भी लगाए गये है। वहीं इस राजवाड़ी चोकर के में झुमके भी हैं।

बारिश के मौसम में बढ़ सकती है ऑयली स्किन की समस्या

बारिश का मौसम हम सभी को पसंद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तेज गर्मी की तपिश के बाद होने वाली बारिश से हमें राहत मिलती है। लेकिन बारिश का मौसम आते ही, हमें स्किन से जुड़ी समस्याएं भी उतनी ही ज्यादा होने लगती है। चेहरे पर हर समय चिपचिपापन रहता है। इस तरह की समस्या सबसे ज्यादा ऑयली स्किन पर होती है। इससे हमारी त्वचा खराब होने लगती है। चेहरे पर छोटे-छोटे दाने नजर आते हैं। अगर आपकी स्किन भी ऑयली है, तो इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी त्वचा का घरेलू नुस्खों से ध्यान रखें। इससे स्किन हेल्दी रहेगी।

घर के बने टोनर का करें इस्तेमाल

अगर आपको मानसून में अपनी स्किन हेल्दी रखनी है, तो इसके लिए आप घर पर बने टोनर का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एलोवेरा जेल और गुलाब जल का इस्तेमाल करें। इससे स्किन अच्छे से हाइड्रेट रहेगी। साथ ही, आपकी त्वचा का चिपचिपापन भी हो जाएगा। इसके लिए आपको एलोवेरा जेल को एक कटोरी में निकालना है। इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिक्स करना

है। इसके बाद इसे एक स्प्रे बोलत में डालना है। थोड़े-थोड़े समय में चेहरे पर छिड़कना है। इससे आपकी स्किन हेल्दी रहेगी।

घर पर बने फेस पैक को लगाएं

मानसून सीजन में बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट की जगह पर आप घर पर ही फेस पैक बनाकर अप्लाई करें। इससे ऑयली स्किन हेल्दी रहेगी। इसके लिए आप मुल्तानी मिट्टी, गुड़हल के फूल और पपीते का फेस पैक बनाकर चेहरे पर अप्लाई करें। इसे आप हफ्ते में 1 बार ट्राई करेंगी, तो इससे आपके चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा ऑयल कम हो जाएगा।

कार्नर न्यूज

ब्लड सर्कुलेशन सुधारने से लेकर पूरे शरीर को मिलता है लाभ

फेशियल मसाज के कई फायदे शेविंग के बाद जरूर करवाएं

लंबे समय तक जवान और चमकदार दिखने के लिए, प्रीमियम स्किन केयर प्रोडक्ट्स के उपयोग के बारे में बहुत कुछ लिखा और कहा गया है। लेकिन, फेशियल केयर के लिए सख्त रूटीन पर बिल्कुल भी जोर नहीं दिया जाता है। लेकिन, जो कोई भी एक्टिव रूप से अपनी स्किन की देखभाल करता है, उसे पता होगा कि यह केवल सतह पर आपके द्वारा की जाने वाली चीजें नहीं है, बल्कि वे भी हैं जो अंदर से बाहर की ओर काम करती हैं। सुंदरता जितनी बाहरी है उतनी ही आंतरिक प्रक्रिया होती है। अगर आपको यही पसंद है तो सीरम और स्लीपिंग मास्क खरीदना भी जरूरी है, लेकिन यह न भूलें कि खुद को हाइड्रेट रखने और आपकी त्वचा के टिश्यू में रक्त के संचार को बढ़ाने जैसी बुनियादी आदतें, आपके स्किन केयर रूटीन गेम को बहुत आगे बढ़ा सकती हैं। हर दिन कम से कम आठ गिलास पानी पीने से पहले भी स्किन की देखभाल की जा सकती है।

ब्लड सर्कुलेशन को सुधारता है

आपके शरीर की कोशिकाओं में ऑक्सीजन युक्त ब्लड की सप्लाई बढ़ने से उनकी मरम्मत और डैमेज से उबरने में मदद मिलती है। इसलिए, जब आप अपने चेहरे की मसाज करते हैं, तो जिन टिश्यूज में मुंहासे और दाग होते हैं, वे तेजी से ठीक हो सकते हैं।

स्किन को शांत करता है

कभी-कभी, यह सिर्फ बाहर की धूल और प्रदूषण नहीं है जो आपकी त्वचा को सुस्त दिखने का कारण बनता है। यह आपके चेहरे की मांसपेशियों में अकड़न भी है, जो उनमें स्टिम्युलेशन की कमी के कारण होती है, जो इसके लिए जिम्मेदार है।

साइनस के प्रेशर को रिलीव करता है

जब तक आप साइनसाइटिस के गंभीर मामले से पीड़ित नहीं हैं, तब तक मसाज आपके चेहरे में जमा पदार्थ लिक्विड फार्म में होने के कारण होने वाले जमाव का एक प्रभावी इलाज है। यह बलगम की निकासी को बढ़ावा देकर सिरदर्द और अन्य प्रकार की परेशानी को दूर करने में मदद करता है। यदि आपको लगता है, कि गुआ शा जैसे टूल बहुत हार्ड और अब्रेजिव हैं, तो प्रभावित हिस्सों पर अपनी उंगलियों की ट्रिक्स का उपयोग करें। छाती और गर्दन को न भूलें, क्योंकि यहीं पर बहुत अधिक बलगम जमा हो जाता है।

प्रोडक्ट्स को ज्यादा सोखता है

मसाज न केवल आपके चेहरे की कोशिकाओं में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है, बल्कि आपके छिद्रों को बंद करने वाली धूल, गंदगी और मृत त्वचा को भी हटाती है। एक बार जब वे पूरी तरह से खुल जाते हैं, तो टोनर और मॉइस्चराइजर जैसे प्रोडक्ट्स कहीं ज्यादा आसानी से स्किन में उनका अवशोषण हो जाता है।ये हाईड्रेशन और पोषण को बढ़ावा देता है और अनइवन टोन्स के लिए एक एंटीडॉट के रूप में काम करता है।

बढ़ती उम्र की रोकथाम करता है

कोलेजन आपकी त्वचा की खिंचाव को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार तत्व है। जब पर्याप्त स्टिम्युलेशन नहीं होता है, तो समय के साथ इसकी प्रभावशीलता कम हो जाती है। इसी तरह झुर्रियाँ और फाइन लाइन्स जैसे उम्र बढ़ने के संकेत दिखाई देते हैं। यही कारण है कि त्वचा रोग विशेषज्ञ लंबे समय तक युवा दिखने के लिए चेहरे का व्यायाम करने और सख्त स्किन केयर रूटीन का पालन करने की सलाह देते हैं। अपने चेहरे के टिश्यू को स्टिम्युलेट करने का दूसरा तरीका उनकी मालिश करना है। यह आपके चेहरे पर ब्लड फ्लो में सुधार करता है और इस प्रकार स्किन की समस्याओं को दूर रखता है।